ॐ नमः शिवाय ॥ ॥ अथ नित्याचारः लिख्यते ॥ ॥ ॐ
ॐ भ्रूमध्ये समये ये ध्यायन्ति यं समं हृत्पद्मविधि ॥ उत्थि
तऽशिरसि हृत् त्रैधं बुद्धीमि शिवे शिर्वमा ॥ ठवशिन
उपामैवीमीकायययासमलकयासधिसमयि
नमामाद्धक्षित्रमासत्पिकातिज्ञमा ॥ ॥ मचे
धमठिन्सुनं गुवत्वासपिश्रुदमा ॥ सक्ति
पउषशिवरं जदामत्तेषुं मंत्रूयमा ॥ ॥ श्री
यास्त्रीमदुल्लं शिवा भुपसस्त्रयिनी ॥ य
स्त्रुलिङ्गनिमंन्प्रवाम्बगिंउयाशिठम्भमाउ ॥ ॥
उरमफ्ले यश ॥ ॥ मफ्किमयं पक्षगहं ठम्फगो
प्रमभधपान ॥ सपुलमन्दनज्ञमा विल्लयाम
दमकला ॥ तक्तमकुपरलाप ठमलढवाम
उवगी ॥ निधिः श्रवकला प्रगा पुगीविल्वा
मगजभान ॥ कश्चितिकानाधिपत्नं प्रपं भिक्ष
रकाप्तनमा ॥ उम्बुलंउजुलगिला कुदभपा
सकोउष ॥ लेकं मपुष्पउंलाएयोगपङ्कमि

सि॰
पि॰
०

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ज्वलं गिरिजा यत्नेन पूजयेत् ॥ स्तुत्वा [illegible] वेदयष्ट्वा [illegible]
[illegible] ॥ ॥ ॥ [illegible] गोमये चापि [illegible]
[illegible] विलेपयेत् ॥ उत्तरे च निकामं [illegible] लिप्त
[illegible] लेपयेत् ॥ पश्चात् [illegible] विपक्व
[illegible] ॥ [illegible] विपरी
तकम् ॥ ॥ ॥ [illegible] यन्त्र
[illegible] ॥ ॥ [illegible] विधि
[illegible] ॥ कल
[illegible] शिवा [illegible] ॥ ॥ ॥ ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ॥ ॥ ॐ [illegible] ॥
ॐ ह्रीं क्रूं क्रूं [illegible] घोर घोर ॥ तर्जय तर्जय ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ कट कट ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] हूं फट् ॥ [illegible] फट् [illegible] फट् ॥
शि॰ [illegible] ॥ [illegible] नमः ॥ [illegible]
पि॰ [illegible] ॥ [illegible]
3 [illegible] ॥ [illegible]

वीरभद्रेण पवित्रं भैरवं प्रयोजयेत् ॥ ॥
शिरोभवाय नमः ॥ ज्योतिर्मयाय नमः ॥ पशुपते
नमः ॥ कालरूपाय नमः ॥ पद्माय नमः ॥ सद्यो
भवाय नमः ॥ ॥ ॐ भैरवं मालिनीरुद्र
नवपद्मं विलिखेत् ॥ ॥ ॐ पद्मस्य मध्ये
न्यसेत् पूजयेत् ॥ ॥ ज्योतिर्मयाय नमः ॥ पशु
पतये नमः ॥ कालरूपाय नमः ॥ वीरभद्राय नमः ॥
पद्मभवाय नमः ॥ सद्योभवाय नमः ॥ ईशान
भवाय नमः ॥ उग्रभवाय नमः ॥ ॥ ॐ प्र
[illegible] भैरव [illegible] प्रतिष्ठाप्य
नमस्कृत्य भैरवं पूजयेत् ॥ ॥ गणेश कलशं
॥ भैरव कलशं ॥ सिद्धि [illegible] कलशं
[illegible] ॥ [illegible]
॥ ॥ [illegible]
गः [illegible] ॥ फः [illegible] ॥ कः [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

ॐ भगवद्धृदये फट् ॥ ॐ ह्रूं भगवद्धृदयमन्त्रशि-
खायै वषट् ॥ मः ॥ ह्रः ॥ ह्रीं ॥ ह्रैं ॥ मैत्रं ॥ ह्र
त्रं ॥ सुत्रं ॥ ह्रीं वह्नीं व मः मः मध्ये ध्य
श्रीनं ह्रीं व स्वाहा ॐ फट् ॥ ॐ तिष्ठ ॥ क
लाग्निरुद्राय यम् गणपुभगवति ॥ भगवान्
वरुणाय नमः ॥ कुबेर ॥ गं गणपतये नमः ॥ श्रीं
गङ्गा भामिनी गङ्गे ॥ ह्रीं वायव्ये स्वाहा ॥ मन्त्रे ॥
ॐ ह्रीं स्वाहा त्र्यम्बक ॥ भविष्यत्पञ्चकलिन
मः ॥ ह्रौं ॥ ॐ ह्रीं पञ्चविंशतितत्त्वात्मने नमः ॥ ॐ
श्रीवत्स लाञ्छनाय नमः ॥ ॐ ह्रीं ॥ ॐ यं रं लं
वं भगवद्विष्णु ॥ ॥ ॐ तिष्ठ तिष्ठ ॥ ॥ ॐ ३
कृ मित्रा शिवशंकराय ॥ ॥ दत्त स्वाहा
यदत्त ॥ ॐ तिष्ठ कुलभक्ष भक्ष ॥ ॥ स्वाहा
भं ॥ ॥ ॐ लक्ष्मी ॥ अघोराय भं ॥ ० ॥ ॥ ० ॥
कि॰ ७ ॥ ॥ ॐ ह्रः भुवनेश्वर्यै विष्णु मध्ये स्वाहा
नि॰ ॐ ह्रूं मः स्वच्छन्दभैरवाय नमः ॥ ॐ ह्रूं मः
७

[illegible] नमः ॥ ॐ [illegible] नमः ॥ ह्रै
शिरसे ॥ ॥ ॐ [illegible] शिखायै ॥ ॐ ह्रौं कवचाय ॥
ॐ [illegible] नेत्र [illegible] ॥ ॐ [illegible] ॥ ॥ ॐ
[illegible] य नमः ॥ ॐ [illegible] य नमः ॥ शिव [illegible]
[illegible] य नमः ॥ [illegible] य नमः ॥ [illegible] य नमः
ॐ [illegible] ॥ ॥ ॐ [illegible] नमः
[illegible] नमः ॥ ॐ [illegible] नमः [illegible]
[illegible] नमः ॥ ॥ ॐ [illegible] ॥ ॥ नम [illegible]
ॐ [illegible] ॥ ॥ [illegible] ॥ ॐ [illegible] नमः
[illegible] नमः ॥ [illegible]
य ॥ [illegible] ॥ [illegible] नमः [illegible] ॥ ॥ [illegible] ॥ क
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] नमः [illegible]
नमः ॥ ॥ ॐ [illegible] ॥
[illegible] नमः [illegible] ॥ ॐ [illegible]
नमः [illegible] ॥ ॐ [illegible] नमः

७

उष्ठे॥ पवित्रपाणिकायै नमः॥ शिखायां॥ शिख
ण्डिनपिङ्गलाय कवचाय नमः॥ भुजयोः॥ नेत्र
स्थाने स्थाय नमः॥ पवनात्॥ ॐ नमो विष्णुर्विष्णवे
उपेन्द्राय वल्लाय नमः॥ ॥ ॥
स्थौ॥ ॐ नमः॥ ॥
रक्षिकिपिण्डः॥॥ ॥ ॐ शुद्धत्वश्रितत्त्वं कृत्वा॥
ॐ ॐ शुद्धतत्त्वाय नमः हृदि॥ ॐ विद्यातत्त्वाय क
ण्ठे॥ ॐ मः शिवतत्त्वाय नमः शिरसि॥ ॐ
तत्त्वाय नमः॥ ॐ शिवतत्त्वाय नमः कण्ठे॥ महा
शिवतत्त्वाय नमः ललाटे॥ ईश्वरतत्त्व॰॥ सदाशिव
विद्यातत्त्व॰॥ कला॥ मायातत्त्व॰॥ काल॥ क
लातत्त्व॰॥ हृदि॥ नियतितत्त्व॰॥ ॥ पुरुषतत्त्व॰
भ्रुवोः॥ प्रकृतितत्त्व॰ पादयोः॥॥॥ ॐ शि
वत्वं कृत्वा॥॥ ॥ वज्रपञ्चकमन्त्रः शिव
नाभिश्चः शिवः॥ पञ्चमुखकाः शि
वतत्त्वः कीर्तितः॥ ॥॥

शि॰
नि॰

[illegible]



पञ्चाशल्लिमेतया भित्तिभ
द्वाराणि भवितुं नष्ट्वा प
शूल पञ्चिधित्रुड॥ ॥
विनिपञ्चलिविद्युपिड॥
कवचिनां वज्रिणं ऊकृदड॥ ॥ भद्रं केशु भग्रह
प्रणवं॥ ॥ भद्रे॥ शिवदूताय नमः। पूर्वे॥ भस्म
शिवदूताय नमः॥ आग्नेये॥ रुद्रदूताय नमः॥ द
क्षिणे॥ विष्णुदूताय नमः॥ नैरृते॥ मायादू
ताय नमः॥ पश्चिमे॥ कालदूताय नमः॥ वायव्ये
नियदूताय नमः॥ उत्तरे॥ यक्षदूताय नमः॥
ऐशाने॥ ऋषिदूताय नमः॥ भद्रे॥ ॥नः कें
शुक पञ्चक प्रणवं॥ ॥ ॥ भिक्षुदूताय न
मः॥ भद्रे॥ ब्रह्मदूताय नमः॥ ऊर्ध्वे॥ ३ऌ वहेन
मः॥ अधःकिले॥ सर्वदूताय नमः॥ पश्चिमे
मेरेशयाय नमः॥ उत्तरे॥ ॥ ॥ ३३ः णभयं॥
विष्णुरूपाय पिनमः॥ पश्चिमे॥ एकयां

शि॰
शि॰
५

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

मि॰ नि॰

लि॥ ऋषिभ्यो नमः॥ छन्दोभ्यो नमः॥॥॥ नारसिंह्
देवतायै हृदये न्यस्य पादयोः॥॥॥ नारसिंहं
विन्यसेत् ह्रं ह्रीं ह्रूं मूले न्यसेत्॥ कवचमङ्गं विन्यस्य
ह्रां अङ्गुष्ठाभ्यां नमः॥॥॥ ह्रीं तर्जनीभ्यां नमः
[illegible]॥॥॥ ह्रूं मध्यमाभ्यां नमः॥ ह्रैं अनामि
काभ्यां नमः॥ ह्रौं कनिष्ठिकाभ्यां नमः
करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः॥ ह्रः हृदयाय नमः॥ ह्रः
शिरसे स्वाहा॥ ह्रः शिखायै वषट्॥ ह्रः
कवचाय हुं॥ ह्रः नेत्रत्रयाय वौषट्॥॥॥ अस्त्राय फट्॥॥
ॐ ह्रीं [illegible]
[illegible]॥॥
ॐ ह्रूं [illegible] नमः॥॥॥ ॐ ह्रौं
[illegible]॥ ॐ ह्रीं ह्रूं [illegible]
[illegible]॥ ॐ ह्रीं ह्रूं [illegible]॥ ॐ ह्रीं ह्रूं
[illegible]॥ ॐ ह्रीं ह्रूं [illegible]॥॥
[illegible]॥ प॰॥॥ ॥ [illegible]॥॥ [illegible]

ॐ ह्रः वामदेवाय ॥ ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] मन्त्रः ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ ॥ [illegible] मन्त्रः
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ ॥ ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
ॐ ह्रः [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
सि॰ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
नि॰ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ ॥
१ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

नमट ॥ ४ ॥ कवचा ॥ ४ ॥ नेत्र ॥ ३ ॥ अस्त्राय ॥ ३ ॥ हूं ॥ ७ ॥
फ्रः दल ॥ ७ ॥ अथ पीठभूयदल ॥ हिं ह्रीं हूं क्रूं
ह्रूं फ्रः मिमन भूयनमः ॥ ओं वह्नियदलेनमः
मज्जायैदलेनमः ॥ प्राणायदलेनमः ॥ पद्म
यदलेनमः ॥ धर्मायदलेनमः ॥ स्वरूप ॥
गान्धर्वौ ॥ त्रिकुलाय ॥ पद्मय ॥ मन्त्राय ॥ पद्म
य ॥ पीठकाय ॥ धर्माय ॥ ज्ञानाय ॥ मायाय ॥
पिनाकाय ॥ वराय ॥ मठाय ॥ भैरवाय ॥ पद्म
रूपय ॥ बीजाय ॥ कमलवि ॥ प्रधानाय ॥ वह्निय ॥ त्रि
कुलाय ॥ मन्त्राय ॥ पात्रवि ॥ भद्रायदलेनमः ॥
ऊः ओं साविमक्रिकलसंपूर्णयोगे ॥ त्रिवभयन
मः ॥ ह्स्रूय ॥ रौद्री ॥ काली ॥ कलविकारिणी ॥ ब
लविकारिणी ॥ बलप्रमथनी ॥ भवदमनी ॥ म
नोन्मनीनमः ॥ हिं ह्रीं श्रीं स्रं सर्वभूतनमः ॥ ओं ॥ ओं मनो
न्मदे ॥ ओं क्रुं कौमारी ॥ ओं ॥ ऐं वैष्णवी ॥ ओं ॥ ह्रूं वाराही
ओं ॥ ऐन्द्री ॥ ओं ॥ चामुण्डायै ॥ ओं ॥ महाल
क्ष्मीनमः ॥

15

ओं क्ष्वें हसम्यवि। कद्रुविस्फुय:॥ ओं त्रैमिवाय:॥ १
ओं युभत्रकयवि॥ कलन्वैष्टीभ:॥ उत्रमप्रीय:।१
ओं म्वग्रिष्ठुउहैवि॥ वह्निषम्हुष्ठीभ॥ उत्रश्रिभय:१
व।ढ।ए।ह्।ह्।व।प।ठ।गैं।ल।उ।ऊ।व
क।प।ग।घ।ङ।ठ।प।व।ट।य।न।ठ
ठ।ण।ढ।व।ऌ।ए।प।क।ल।ञ। भ।म:
ण। ष।क।भ।म।वं।उ।प।ति।प।क।ड
ढ॥भलिहैनम:॥॥॥ओं ह्रीं फुवभलिहैनम:
उउभहैमिवकलमंप्रऌयेज॥॥॥मीकिउवि
षये॥॥॥ ओं हुं वैं कुं हैभहैधिवे नम:॥॥॥ ओं कुं
मघोरहेवघोरहे घोरघोरतरहे सर्वत: सर्व
वभवेहे नमस्ते रुद्ररूपेहे कुं भकलघ्ठ
स्फवैवायनम:॥॥॥ ओं ह्रीं मघोरी स्वरिकुंढ
ले॥ ह्रभिहज्ज्ञि॥ ओं कुं निश्चलश्रक्ष्णरुहेवा
यनम:॥ ओं ऊभाकभलवयकं वहफ्रपवै
वायनम:॥ ओं ह्रीं भायमि हैनम:॥ ह्रां उहज्ञ
नि

श्रि०
वि०
३

ॐ ह्रैं महापिनीमचं ॥ ।। इति ॥ ।। ॥ ॐ ह्लौं
गं गणपतये नमः ॥ ॐ क्रौं मः गणपतिवल्ल
भाय नमः ॥ इति कृतानि ॥ ॐ क्लीं कं कुमाराय ॥
ॐ हुं ह्रीं मः भैरवाय ॥ ॐ रं विष्णवे ॥ ॐ ह्रं
ह्रीं लक्ष्मीवासुदेवाय नमः ॥ ॐ जं भजलक्ष्मी
नमः ॥ ॐ ग्लूं मः सम्पत्प्रदायवायनमः ॥ ॐ
ग्लूं मः सम्पत्प्रदे नमः ॥ ॐ ग्लूं मः ऐं मः भं
पालय पालय मे ऐं मः ग्लूं ॐ ॥ ॐ नमः शि
वाय ॥ ॐ ह्रीं सं सनाथे नमः ॥ ॐ ह्रीं क्लीं नील
कण्ठाय नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं सौं सं मातृक
ाय नमः ॥ ॐ हुं वं वासुदेवाय नमः ॥ ॐ श्रीं मा
र्तण्डभगवते नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं गं क्लीं मेः भगव
ते गल्ले ह्रीं भुवन ॥ ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं कुलभगवते नमः ॥ राघवा ॥ ॐ
ह्रीं श्रीं कुलभगवते मम मव मनुकायक
कायक्रूं दम धुन ॥ ॐ जं भजमेवाय नमः

ॐ हुंहुं भद्रकाल· उग्रभीम उग्रभीम ह्रींह्रीं फट्॥
ॐ ह्रींक्लींक्लीं हुंहुं ह्रींह्रीं ह्रौं दक्षकालिके ह्रीं ह्री
हुंहुं क्लींक्लींक्लीं फट्॥ ॐ ह्रौं क्लीं भैः बालायै
नमः॥ ॐ ह्रीं कामेश्वर्यै नमः॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं
हुं वज्रे स्वाहे नमः॥ ॐ हं ईशानवक्त्राय नमः॥
ॐ यं तत्पुरुषवक्त्राय नमः॥ ॐ रं अघोरवक्त्राय
नमः॥ ॐ वामदेवव·॥ ॐ लं सद्योजातवक्त्राय
ॐ सदाशिवहृदय॥ ॐ ईशानमूर्तये स्वाहा नमः॥१॥
मः तत्पुरुषवक्त्राय॥ मि॥ अघोरहृदय॥ ॐ
वामदेववक्त्राय॥ सद्योजातमूर्तये नमः॥॥
ॐ [illegible] कुरु॥॥॥ [illegible]॥ म
[illegible]·॥ [illegible]·॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]·॥ [illegible]
[illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ ॐ
[illegible]॥ [illegible]·॥ [illegible]॥ [illegible]
[illegible]॥ [illegible]मूर्तये नमः॥॥॥ ॐ [illegible]
[illegible]॥॥ [illegible] नमः॥ [illegible]॥ का
लाय

सि·
नि·
७

ह्रीं भ्रूं पिलि ॥ स्फ मा क्षि पक्षये ॥ रा ल्प रा हे
ब्रूं य ॥ वट कं य फट् ॥ सन्दू य ॥ पश्य य
ह्रि म्लू लाय ॥ णमः ॥ स्फ यफट् ॥ नमः ॥
ॐ ॐ तडर्थ्य ३ वेवहूं ॥ फि ०: ०: मूहूं श्वक्र
पिलि नभेनेवहूं निवेमूयामि नमः ॥ ॥ ॥
ॐ ह्रिकल्लमयुल्प नम ॥ ॥ ॥ ॐ ॐ: मिभूमनीय ॥
नुषि नम श्रू: ॥ ॥ ॥ सल्के धा ॥ नुकयन्द ॥ स
यम्‍र्‍ ॥ नमामि भक्तुनं ॥ ॥ ॥ वृद्ध नकं पा मम
यतके वलं ह्ल नश्रि ॥ स्फ क्रीं ओ ग ग न भद्
मं ॥ ॐ ॐ भक्ष्‍ छिल हूं ॥ ॐ कं निहें विभल भग
लं भव ग भ कक्रु ॥ हवा उ ऊं हि शलय जि
ऊं भक्तुरूं ऊं नमा मि ॥ ॥ ॥ धूमि हाउं ॥ ॥ ॥ क्षिः
राम्हिहैं मा नकल हैं नमः साधि ॥ यं म ज
म्हिहैं ॐ म्रुनयकल हैं नमः हूमि ॥ गं ॐ म
म्हिहैं ॥ ध्वधा कल हैं नमः ॥ तर्हि ॥ वं रा ए
म्हिहैं वा भव कल हैं नमः ॥ पाश्ये : ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

वज्रपाण्यादि॰॥७॥ ओंगणेशः॥ ओंवभ्रूं॥३॥ ओंस्र्
भ्रूं॥ मन्त्रिरूपभ्रूं॥ ओंवभ्रूं॥ ससमानतिथेः॥
भगलंभ्रूं॥ नमिक्रूंभ्रूं॥ कामालभ्रूं॥ तीभक्र
पिनः॥ ...लिंगभ्रूं॥ वटुकभ्रूं॥ मद्रभ्रूं
पद्मभ्रूं॥ इक्षुलभ्रूं॥ गास्तभ्रूं॥ ब्रूल्भ्रूं॥ स्रम
नै॥ पितः वभायः॥ ओंवगैर्भ्रूम्रभ्रूं॥
ओंवगैर्भ्रूम्रभ्रूं॥ यैर्ब्रुकमभिश्रूंश्रूं॥ सि
वपमवीर्भ्रूं॥ सभ्रूक॰॥ मन्त्रिकलमप्र॰
ओंवकलमप्रल्नं॥ केत्रेसाप्र॰ सप्तभणे
कभिमुं॥ पक्षरूप॥ ...पसेयेस्मनमननमः
यम॰विविति॥ वैद्रकै॥ ओंवभ्रूम्रवभ्रूं॥३॥ स्रभ्रूं
मन्त्ररूपभ्रूं॥ ओंवभ्रूं॥ ससमानतिथेः॥ ओंवभ्रूं
भगलंभ्रूं॥ नमिक्रूंभ्रूं॥ कामालभ्रूं॥ तीभक्र
पिनः॥ ...लिंगभ्रूं॥ वटुकभ्रूं॥ मद्रभ्रूं॥ पद्म
भ्रूं॥ इक्षुलभ्रूं॥ गास्तभ्रूं॥ ब्रूलंभ्रूं॥ उस्रभा मनंनमः
भगमालमसेये॥ ओंवाय॥ स्रभ्राय॥ मन्त्रिरूपः
ओंवाय॥ ससमानतिथसेये॥ नगमस्रूंय॥ भग
...य॥ कामालाय॥ तीनत्रिपिनेः॥ ...
नाय॥ वटुकाय॥ मद्राय॥ पद्माय॥ इक्षुलाय

सिं॰
नि॰
००

[illegible]

एकविंशतिपत्रं नमः ॥ १ ॥ षोडशपत्रं ॥ अष्टक ॥
सहस्रदलं ॥ १० ॥ सर्वाय ॥ षोडशपत्रं ॥ १ ॥ पद्मस
पत्रं ॥ चतुर्विंशति ॥ सहस्रं ॥ सङ्ख्याय ॥ सर्वं ॥
सर्व पद्मस पत्रं नमः ॥ १ ॥ वेदके ॥ अष्टक
लसं ॥ दक्षिण भुजे ॥ अष्ट नीलकण्ठे शिव
भूके नवाक्षिन ॥ शिवेनगन्धाक्षिण ॥ १ ॥
वसभुजे ॥ १ ॥ नायहे नमः १ ॥ हिस्थुवः भुः ॥ १ ॥
शिरसि ॥ हस्तकं यदभजे ॥ १ ॥ अष्टदशकपत्र दक्षिण पत्र पत्रं
पत्रं ॥ १ ॥ ह्रींश्रीपत्र ह्रं दलं ॥ १० ॥ ह्रीं अष्टा ॥ ३ ॥
धै ॥ ३ ॥ ३ ३ ३ चतुःपद्मदलं ॥ ३ ॥ नवदलं ॥ ३ ॥ कदली ॥ ३ ॥ वस ३
पत्रदल ॥ ३ ॥ नवाक्षं ॥ १ ॥ हः दलं ॥ १ ॥ अष्टधेत्वभूय
दलं ॥ हिं ह्रीं हूं हः सैन्यभूयदलं ॥ १ ॥ ८ ह
भूत ॥ १ ॥ ३३ः वसभुजे सक्तिसलसं भन्तु ॥ १ ॥ ३स
जिसायवि ॥ १ ॥ वभाचक्रय ॥ १ ॥ अष्टशिखे ॥ १ ॥
३३ः शिवकलसं शिरसि ॥ १ ॥ हिं हूं हैं भहा पि
ले ॥ १० ॥ हिं सः अभजीसुरकुरवायुनभूः ॥ १० ॥
हिं सः अभज लक्ष्मीनमः ॥ हिं अष्टयेगीहिं हि
श्रक्षकुरवायनमः ॥ हिं ह्रीं अष्टयेगीसुहिं दलं
अष्टयेगीसुदेनमः ॥ हिं निष्कलश्रक्षकुरवायन
मः ॥ १० ॥ ३३ः कलसहयेक्लन ॥ हिजभाकभल

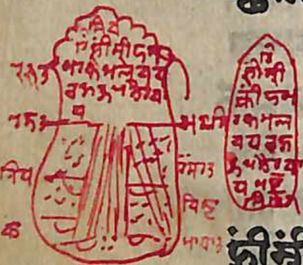
दक्षिण पत्र पत्रं

वपहूं वक्रतुण्डभैरवाय नमः ॥०॥ ॐ ह्रीं भयार्दि
न्ये नमः ॥०॥ ह्रूं मिहूक्षमि ॥ ॐ ह्रीं मर्म्मीकपालि
न्ये नमः ॥०॥ ॐ क्लूं गं गणपतये नमः ॥०॥ ॐ स्लूं
मः गणपतिवल्लभाय नमः ॥०॥ ॐ ह्रूं ह्रीं मः स्क
न्दाय नमः ॥०॥ ॐ रं विष्णवे नमः ॥०॥ ॐ श्री
कण्ठभागाय नमः ॥०॥ ॐ ह्रीं क्लूं ल्क्रीं वधूकेव
य नमः ॥०॥ भद्रं भद्रमदं दग्धू देवदेवीमण्डि
तं मिरमितद्वयेता ॥ यथाविभागं ॥ ॥ ॥ उत्पमनमिमि
तेतुं भैरवभद्रदाभंकदण्ड ॥ ॥ ॥ यथा ॥ ॐ तुं वक्रतु
ण्डभैरवाय नमः प्रमये ॥ ॐ ॥ प्रंवत्रे ॥ ॐ ॥ उहृ
ॐ हृदि ॥ ॐ ॥ कण्ठे ॥ ॐ ॥ नाभौ ॥ ॐ ॥ भाले ॥ ॐ ॥ मिरमि
ॐ ॥ सूक्ष्मत्रु ॥ उति ॥ ॥ ॥ कं नमः प्रमये ॥ यं नमः श्रुवे
वं नमः उहृ ॥ लं नमः हृदि ॥ मं नमः कण्ठे ॥ कं नमः
नाभौ ॥ रं नमः भाले ॥ मं नमः मिरमि ॥ ॥ ॥ उ३ः मि
रमिनहूप्रलेनउद्धल्क्रादण्ड ॥ ॥ ॥ भानंभवहं
रवंउपयामिश्रुणनमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं मनोन्मनी उ०
ॐ सर्वभूतदमनी उ० ॥ ॐ बलप्रमथिनी उ० ॥ ॐ बल
विकरिणी उ० ॥ ॐ कलविकरिणी उ० ॥ ॐ कलीं उ० ॥ ॐ रौद्री उ० ॥ ॐ ज्येष्ठा उ०
ॐ वामा उपयामिश्रुणनमः ॥ ॥ ॥ उ३ः मिरमिहि
वंभधंमहूप ॥ ॥ ॥ ॐ ह्रूं वक्रतुण्डभैरवाय नमः ॥ ३

सि॰
नि॰
०३

ॐ ह्रीं भगवत्यै ह्रूं नमः ॥ १ ॥ अथ श्रीभुवनेश्वरीमन्त्र
हृदयं ॥ अथ न्यासम् ॥ विनियोगस्तत्र ऋषिः ॥ ग
न्धर्वशिवमन्त्रं ऋषिः ॥ ॥ ॐ अङ्गुष्ठकं शिव
मन्त्रजपः ॥ ॥ अङ्गुष्ठकमन्त्रितः ऋषिः ॥
ॐ ह्रीं भैरव्यै नमः ॥ वामकरे ॥ तिलकस्थ
त्रिकं जपः ॥ ॥ कं लं वं यं ॥ ॐ भद्रमङ्गला
यनमः ॥ दक्षिणकरे ॥ कं लं वं यं ॥ ॥ ऐं क्लीं सौः
लं हृदये ॥ दक्षिणपादे ॥ वामदक्षिणपादे
॥ वामकरे शिवभैरवी ॥ ॥ ऋषिः शिवपुत्रं ॥ ॥
ॐ तिलकं ॥ ॥ ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः हृदयं नमः
तिलकं ॥ ॥ ॐ यक्षिणीवीरे नमः ॥ ॥ ॥ अथ गायत्री
मन्त्रः ॥ अथ ॥ ॐ भूर्भुवः ॥ तत्सवितुर्वरेण्यं ॥ भर्गो
देवस्य धीमहि ॥ ॐ विश्वेश्वराय धीमहि ॥ तन्नो रुद्र
प्रचोदयात् ॥ शिवकलशं ॥ शिवकलशं कौमि
हृदयं ॥ ध्यायेत् ॥ गायत्रीमन्त्रः ॥ ॐ ह्रीं क्लीं भुवनेश्वरी
नमः शिवकलशमन्त्रं गायत्री ॥ ॥ ॥ ॐ शिवशिव
शिवमन्त्रं ॥ ॥ ॥ ॐ नमः श्रीभुवनेश्वराय नमः १
अथ ध्यानम् हृदयं ॥ अथ न्यासं ॥ ह्रीं हृदयं ॥ ह्रूं
कवचाय ॥ ह्रैं शिखाय ॥ ह्रौं नेत्राभ्यां ॥ हः अस्त्राय फट् ॥
ॐ ह्रीं ॐ त्रिपुरसुन्दर्यै नमः ॥ ॐ त्रिपुरसुन्दरी
शिवमन्त्रं ॥

यक्ष॥ भेदं॥ दंभः॥ ॐ नमः शिवाय इति भवभाण
रलं॥ ॥ ॥ संक्षिप्त विधये॥ ॥ ॥ द्वैमन्त्रा पित्रे॥ मघोरं
निष्कलं॥ इन्द्रजं॥ भा॰ सं लिखित॥ ॥ ॥ इतः शिरभ
लाञ्छित लक्ष्ये॥ ॥ भा॰ क्षिककच भपा मकेनक
मुमयेत्॥ वध्नू निबद्धयेत्॥ ॥ मघशिविक प्र



ए॥ ॥ ॥ ऊर्ध्व मध्व मध्यमा पैकलं॥ कलपै
कलं क्रौं शिखलं॥ ॥ ऊर्ध्व परिमण्डला श्री
दमडिला॥ मत्पैलं पैकलं॥ हिंकव
मण्यकुं इतिवक्त्रवतत्त्वनम॥ ॥ ॥ हि
ह्रीं श्रीं क्लीं॥ हिं॥ इतिमदं लिखित्॥ ॥ ॥ इतः ऊर्ध्व
ए मायायां श्रुमौ शिरसि॥ ॥ ॥ ॥ ॐ नमः शिवतत्त्व
यनमः॥ ॥ ॐ हं विद्यातत्त्वयनमः॥ ॥ ॐ हिं आ
त्मतत्त्वयनमः॥ ॥ इतः भद्रे॥ ॐ आत्मतत्त्व॥ विद्या
तत्त्वय॥ शिवतत्त्व॥ सदाशिवतत्त्व॥ पञ्चधतत्त्व॥ ॥ ॥
इतः मायायां॥ ॥ ॥ शिवतत्त्वयनमः॥ शिरसि॥ म
ध शिवतत्त्वयनमः॥ ब्रह्म॥ रुद्रतत्त्व॥ शक्ति॥ वि
द्या॰॥ नेत्रे॥ मायातत्त्व॥ पश्चिमे॥ कालतत्त्व॰॥ वा
यवे॥ नियतत्त्व॰॥ ऊर्ध्वे॥ पञ्चधतत्त्व॥ ईशाने॥ पुरु
षतत्त्व॥ भद्रे॥ ॥ ॥ इतः भद्रे॥ ॥ ॥ मन्त्रयनमः॥ म
न्त्रयनमः॥ शण्मकेनमः॥ ण्दय॥ कृनाय

शि॰
ति॰
०२

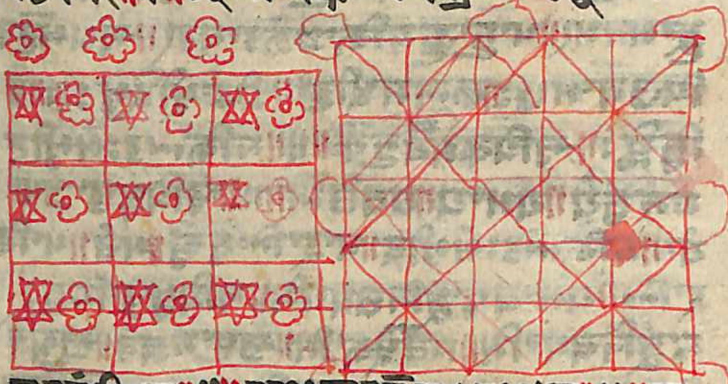
[illegible] (Sharada manuscript text, 19 lines: a litany of names in the dative ending -āya / -āyai, separated by red double daṇḍas ||, with several phrases ending in नमः)

[illegible]

सिं.
नि.
०५

[illegible]

[illegible]



[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

सि० नि० ०८

[illegible]

ॐ भं ज्ञभैरवाय नमः॥ ॐ मान्ने॥ ठीयल भैरवाय नमः
उग्रे॥ कपालिभैरवाय नमः॥ वायव्ये॥ उन्मत्तभैरवाय नमः
यनमः॥ पश्चिमे॥ क्रोधाग्निभैरवाय॥ नैरृत्ये॥ संहारभै
रवाय॥ दक्षिणे॥ रुरुभैरवाय॥ भूम्यां॥ असिताङ्गभैरवाय
प्रति॥॥॥ इति दिपी ॐ ह्रीं श्रीं भुजंगलक्ष्म्यै नमः॥ ॐ स
र्वे॥ ॐ॥ महालक्ष्म्यै॥ उग्रे॥ ॐ वाराह्यै॥ वायव्ये॥ ॐ॥ चामुण्डायै॥ पश्चि
मे॥ वैष्णव्यै॥ नैरृत्ये॥ ॐ॥ कौमार्यै॥ दक्षिणे॥ ॐ॥ माहे
श्वर्यै॥ भूम्यां॥ ॐ॥ ब्राह्म्यै॥ प्रति॥॥॥ भवेत्॥ मस्तिमध्ये
ऽपि॥ रक्तरूपभैरवाय नमः॥॥॥ इति कलशस्य
नमः॥ सर्वसिद्धिप्रदानीय॥॥ विलोमेन भंक्त्वा दा
नः स्वस्थ्य च वल॥ जीवेन॥ हीं क्रूं॥ मायाः॥ ह्रीं॥ मि
लं हंस॥ यस्य॥ वामेन॥ मिक॥ भः मायाः॥ न
मि॥ हंस॥ भूर्भुवः स्वः॥ नमः॥ प्रपीठे
महदेवस॥ नागव॥ भिवाय॥ भाग्यसिद्धये॥ स्वस्थ
य॥ महिषध्याय॥ भैरवाय॥ भंजभैरवाय॥ क्रोध
भैरवाय॥ कपालिभैरवाय॥ उन्मत्तभैरव॥
क्रोधाग्निभैर॥ संहारभैरव॥ रुरुभैरवाय॥ असि
ताङ्गभैर॥ भुजंगलक्ष्म्यै॥ महालक्ष्म्यै॥ वाराह्यै॥ चामुण्डायै॥
वैष्णव्यै॥ कौमार्यै॥ माहेश्वर्यै॥ ब्राह्म्यै॥ भवतु मे देवि॥ प्र
पः भूरनमः॥ दीपः भूरनमः॥ सर्वभद्रेण॥ न

सि॰
नि॰
०१

[illegible]

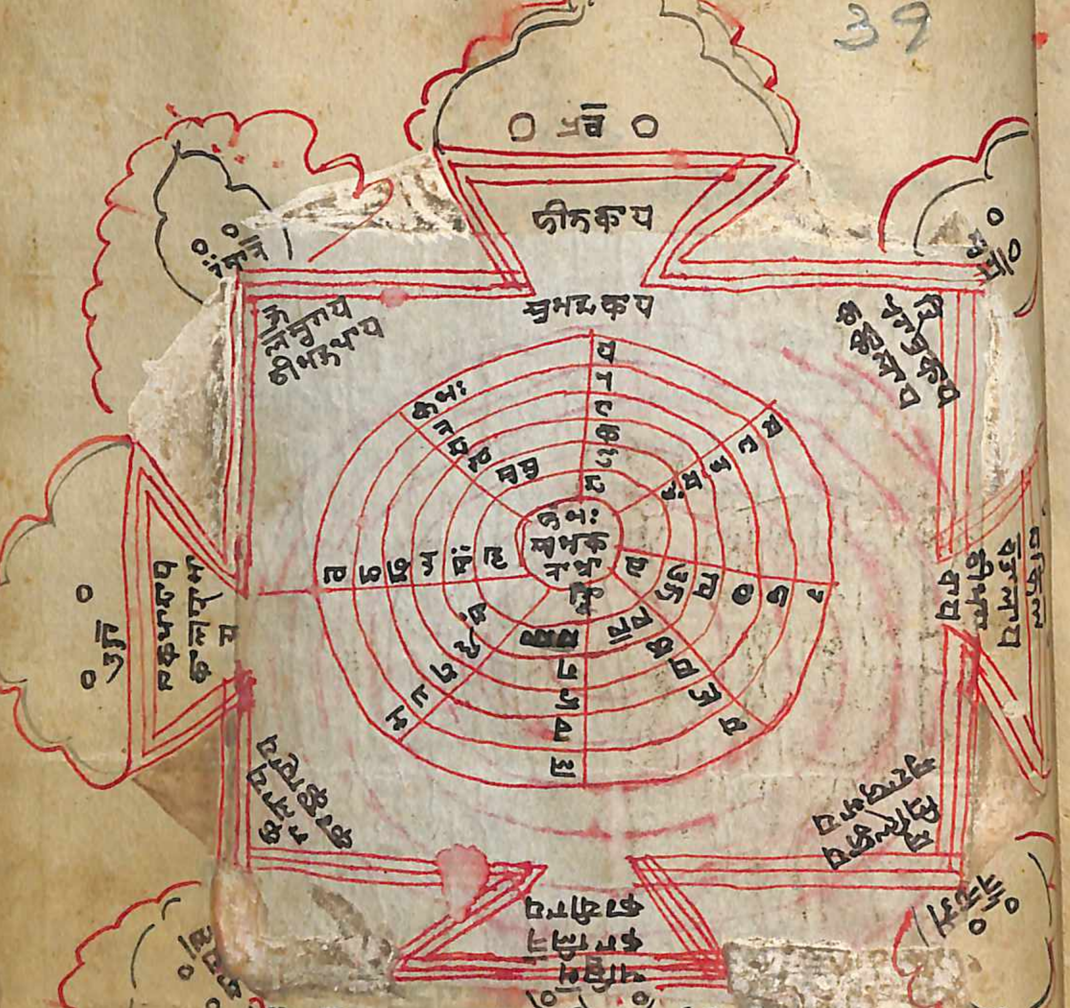
भगवतः॥ सिवं॥ भगवान॥ रुरु॥ सक्तिरूपं॥ भैरवं॥ भं
चण्डभैरवं॥ कपालीसभैरवं॥ उन्मत्तभैरवं॥ क्रोधभैरवं
संहारभैरवं॥ रुरुभैरवं॥ असिताङ्गभैरवं॥ महाल
क्ष्मी॥ माहेश्वरी॥ वाराही॥ इन्द्राणी॥ वैष्णवी॥ कौमारी
भट्टीब्राह्मी॥ चामुण्डी॥ भयमर्दिनी॥ इन्द्र जयप्रमि
यक्षासमकं॥ भगभैरवेण दत्त॥ भगयदत्त
भग॰॥ सि॰॥ भ॰॥ सक्ति॥ भै॥ भं॰॥ भीष॥ कपा॥ उ
न्म॥ क्रोध॥ संह॥ रुरु॥ असिता॥ महाल॥ मा॰॥ वा
इ॥ वै॥ कौम॥ भट्टीब्र॥ चामु॥ भय॥ यन्त्रनमः
मेधनि॥ पञ्चः॥ भगभैरवेण दत्त॥ भगयदत्त॥
धूं॥ ३॥ भै॰॥ रु॥ एवं॥ भगवान॥ सिव॥ भगु॥ स
क्तिरूप॥ भैरव॥ भंडभैरव॥ भीषणभैरव॥ कपा
लीसभैरव॥ उन्मत्तभैरव॥ क्रोधराजभैरव॥ संहभैर
व॥ रुरुभैरव॥ असिताङ्गभैरव॥ महालक्ष्मी॥ माहेश्वरी
॥॥ वाराही॥ ॥॥॥॥॥ ॥ इन्द्री॥ वैष्णवी॥ कौमारी
भट्टीब्राह्मी चामुण्डी॥ भयमर्दिनी॥ ऽस्मैवेभ्यो नमः॥
एवंभमालवर्णगन्धेनमः॥ पुष्पेनमः॥ धूपेनमः
दीपैर्नैवेद्यैः॥ ताम्बूलेनमः॥ दीपंनमः॥ कर्भेन
मः॥ एतंभगवतेसमर्पयामिनानाविधिम
वापरिप्रीतोस्तु॥ मन्त्रंनमः॥ ३॥ भगभैरव॥ कर्पूर
र

सि॰
नि॰
०३

[illegible]

[illegible]

कायमकर्धमं वचनम ॥ ॥ अथ भैरव ॥ ऋष॰
मह॰ ॥ पि॰ ॥ भ॰ ॥ छं॰ ॥ न॰ ॥ थि॰ ॥ मि॰ ॥ ३॰ ॥ पाहि
ऐ ॥ भ॰ ह्रीं श्रीं क्लीं धं प॰ ॥ अघोर ॥ १ ॥ ॥ भैरव ॥ ह्रीं
श्रीं भैरवः मं धू धूं यतिप्रकृति धूएलाद्रे ॥ ओं वधु
कभजितं पितृ ओं भैकमयधिनी ॥ अथ॰ ॥ ऋष॰
मह॰ ॥ पि॰ ॥ भ॰ ॥ छं॰ ॥ नृ॰ ॥ थे॰ ॥ मि॰ ॥ ३॰ ॥ पा
हि॰ ॥ ३ ॥ ह्रीं श्रीं क्लीं धं॰ ॥ अघोर ॥ ३ ॥ ॥ भैरव ॥ भ
य सेवीभिजन सेभायापासधूभमूर्ते ॥ भयावे
सेमघूम सेभायासेवितंभेदूते ॥ ॥ अथ॰ ॥ ऋष॰
मह॰ ॥ पितृः ॥ भतृः ॥ छंपालेकिंधकंसधधू
तं ॥ थेनाद्रकानिवाशुक्रं ॥ भिजनु ॥ ३भेनु ॥ पा
हिति धकंसधधूतं ॥ भयासेवीभजितरक्त
धकंवसीयंपरिकल्पयाभिनमः ॥ इतिभैरवी ॥ ७
तिघ्रमायाएलग्रायनपूर्वनविधिः ॥ १ ॥
तिवृत्ते विधिः ॥ १ ॥ ॥ अथवक्ष्यकमहेश्वरंभम
त्राभजनि ॥ एवाहमसत्रमूर्ति ३ मूर्ति जितमा
ममाधुरः ॥ अवक्रांतमस्तुक्तंक्तासधूमलं
३३ः ॥ कल्पयामप्रचितुमत्रसमाश्रयामलावि॰
एवमकिंलितुकवाकधगुसंद्रते ॥ मंवलाप
स्निभेतुएमनभावुवायवे ॥ पामकवांस्नेतेतु



[illegible]

[illegible] ॥ ॥ [illegible] ॥ ॥
ॐ ह्रीं [illegible] नमः ॥
[illegible]
ॐ ह्रीं श्रीं [illegible] नमः ॥ पूर्वे ॥ ॐ ॥ कङ्काल य
नमः ॥ दक्षिणे ॥ ॐ ॥ भीमकायाय नमः ॥ [illegible] ॥ ॐ ॥
[illegible] नमः ॥ [illegible] ॥ ॐ ॥ कावीराय नमः
पश्चिमे ॥ ॐ ॥ कालाग्नि[illegible] नमः ॥ वायव्ये ॥ ॐ ॥ कल
[illegible] नमः ॥ उत्तरे ॥ ॐ ॥ [illegible] नमः ॥ ईशाने
[illegible] नमः ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॐ ह्रीं [illegible] नमः ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॐ ह्रीं [illegible]
पश्चिमे ॥ ॐ [illegible] ॥ [illegible] ॥ ॐ
[illegible] ॥ ॐ [illegible]
[illegible] ॥ ॐ ह्रीं [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ ॥ [illegible] ॥ ॥ ॥ [illegible]
श्रि॰ [illegible] ॥ ॥ ॥ ॐ [illegible]
वि॰ [illegible] ॥ [illegible] ॥ ॐ ह्रीं
१० श्रीं [illegible] ॥ ॐ ॥ कङ्कालाय ॥ ॐ ॥ भीमकायाय
ॐ [illegible] ॥ ॐ ॥ कावीराय ॥ ॐ ॥ कालाग्नि[illegible]

४२

ॐ कल्पद्रुमाय ॥ ॐ ऊर्ध्वलिङ्गाय ॥ ॐ ह्रीं क्लीं
क्रं क्रौं नन्दकाय ॥ ॐ ह्रीं क्लीं श्रीं हिरण्यकाय ॥ ॐ ह्रीं
क्रूं श्रीं अग्निविड्लाय ॥ ॐ ह्रीं क्लीं अग्निशिखिने ॥ ॐ ह्रीं
क्रूं करालाय ॥ ॐ ह्रीं क्लीं श्रीं करालि ॥ ॐ श्रीं श्रीं श्रीं
[illegible] ॥ ॐ क्लीं ह्रीं क्लीं श्रीं [illegible] ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं क्रूं [illegible]
[illegible] ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं क्रूं दण्डकेश्वराय ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं क्रूं
[illegible] श्वराय ॥ अर्घ्यपात्रस्थापन [illegible] सिद्धिः
अर्घ्यं नमः ॥ [illegible] नमः ॥१॥ ॥ अथ महिम्न ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ अर्घ्यः [illegible] नमः ॥ [illegible] नमः
महिम्न ॥ [illegible] ॥३॥ [illegible] ॥३॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥३॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥३॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible] ॥३ [illegible] ॥००॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

सि॰
नि॰
३३



[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible] नमः ॥ [illegible]
नमः ॥ [illegible] नमः ॥ [illegible] नमः
[illegible] ॥ ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] नमः ॥ [illegible] नमः ॥ [illegible] नमः ॥ ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]

ग्रालं कोरमि॰ जःदलं॥ मेघलं कोरमि जःदल ०१
ःइतिमंभुजः॥ ॥ ॥ श्रीहृद्दियामङ्गुष्ठेन कल्प
नमः॥ ॐ ह्रींनमः॥ श्रूं ज्मलीं न॰॥ ऋत्त्वा ओयिन॰॥
कालाग्निरुद्राय नमः॥ भभालरवंगात्रेनमः
सुद्गेन॰॥ षष्ठेनमः॥ ॥ ॥ इतिकल्पं षष्ठ॥ ॥ ॥ ओं
वह्नीकालभश्रीत्रीणः॥ प्रचपराभुयः
यष्टभेष्ठभायीमेववर्ज्जभीउन्मुकीतिउभा॥ ॥
कल्पभद्रवह्नीकालभारदलं॥ वह्नीकालं
कोरमिदलं॥ ०॥ ॐ॥ श्रुवाभ॥ पकप्रवागृगं
कल्पभद्र॥ + ॥ ओंद्धुउत्तरगृगं॥ ओंद्धद्युभ
पुकाल्पविद्युर्भज्ञप्र॥ ॥ ॥ ओंरवागीसाभगा
यनमः॥ ऐंह्रीं भगवति वागीश्वरि॥ सुगाम्नु॥ ७
भत्रिषु॥ ३॥ भत्रिणष्ठ॥ ७॥ भत्रिनर्द्धेनव॥ ७॥ भत्रि
पष्ठि॥ ३॥ भगवति वागीश्वरि॥ सर्वशुद्धयाभि
नमः॥ ॐ॥ सुभद्रीमभभ्रुंकरोमिनमः॥ ॥ ॥
सखपूर्णं॥ ॥ ॥ श्रीलिखलेसलमज्ञाभाभउभ
ह्राग्लेमनभा॥ भवलकलमंभ्रन्दुभचाह
गल्कुखिउभा॥ ह्रद्भैववित्थंस्वीभ्रुपयि
कल्पभद्रउः॥ श्रूं ज्मभक्तेपविध्रूमगरहिभ
पिनमृरूभा॥ ॥ ॥ इतिहृद्व॥ ॥ ॥ भगवतिवा

सि॰
ति॰
३३

गीर्वाणिपादुंगक्लनमः॥ श्रीउत्तिपादुमह
ष्ठनापद्मन्ंलंनेम मयेत्र॥ ॰वं॥ मर्त्रं॥ उप
मनीयं॥ ममालहंनगवुं॥ मुश्रेनमः॥ मधंनमः
त्रुपं॥ रभ्रमीपं॥ त्रिडंवागीश्वदेनमः॥॥॥ ६
त्रिभंपुट॥॥॥ रंमानमिरभङूनभ्टउमंडीछ
वयिङ्वागीसमभत्रिणानायर्येनिभम्हंभृ
मयेत्र॥॥॥ ३३ःकंभूपादुम्भ्रमयिभानीय॥
७लनिगीकलंकौमिढत्र॥ मवउ॰ठनं॥ र
ष्ठनमकुम्ने॥ मग्रयेनमः॥ त्रिङ्गीणक॥३॥ क
७॥३॥ ङुल॥३॥ मचणमा॥ मचग मचेम्रा
मचछकक॥ मवमङ्गाभ्रिय॰या॥३॥ ठिछेव
ग्रयेपापेङ्गनाग्रये कालाग्रये॥ मनुत्रे॰ मङ्गं
७ल॥३॥ भुन्ड॥ ६त्रिभंप्रट॥॥॥ ३३ःमछक
॰ङयपडलू त्रेरुभीकपेत्र॥॥॥ ७लक्
हूंम्ंनिङ्कधपामिढत्र॥॥॥ ३३ःत्रिलाहिउः
त्रिंमत्रिःकुहूंम मुङ्गिकौमिधल॥५॥ पि
ङ्गंमत्रि त्रुमकुमनंकौमिङ्गं॥ मकयेनाङ्क
हू॥॥॥ ३३त्रिपाङ्जमुङ्ग्रयेनजीङ्॥ नम
नीउ॰यवङ्गिनहंऊंपङ्ग॥ मायंव
गीमीङ्ग॥ त्रिङ्मयामिनमः॥ ६त्रिङ्गं

पत्रिहृद्भ्यां ॥ ॐ ह्रूं येऽस्याभिनमः ॥ ॐ त्रिकोणे वह्निकि
रणे ॥ मध्ये व्यक्ते ॥ ॐ त्रिवह्निवृत्ते ॥ ॥ ॥ ॐ त्रिवर्गी
कृपेतिं स्वस्वरूपाभिनमः ॥ ॐ त्रिमूर्ति धनुर्मनम ॥
ॐ ॐः सर्वसिद्धिप्रदायिन्यै नमः ॥ ॐ ॥ ॐ हः फट् ॥ स
र्वाङ्गं कल्पयाभिनमः ॥ ॐ ॥ ॥ ॐ ॐ मन्त्रविभूषणा
गीर्वाणीकर्णस्फुरन्त्यै ॥ ॐ हः फट् वागीश्वरीक
र्णस्फुरन्त्रयाभिनमः फट् ॥ १ ॥ ॐ हं सर्वाग्निगर्भ
यै नमः ॥ ॐ त्रिभुवने ॥ ॐ ॐः सिद्धिसिद्धिसिद्धि
सिद्धिप्रदायै ॥ ॥ ॐ ह्रं मन्त्रैः गन्धं सम्यक् कल्पयामि
नमः ॥ १ ॥ ॐ ह्रं मन्त्रैः गन्धं सम्यक् पुष्पं नमः १
ॐ ह्रीं मन्त्रैः धूपं कल्पयामि ॥ ॐ सर्वाग्निगर्भे कि
रणे ॥ ह्रीं मन्त्रैः दीपं नमः ॥ ॐ नैवेद्यं सुधायै ॥ ॥
ॐ त्रिलोके देवि नमः ॥ ॥ ॥ ॐ ह्रीं मन्त्रैः धूपं कल्प
यामि नमः ॥ १ ॥ ॐ ह्रीं मन्त्रैः सम्यक् पुष्पं नमः ॥ १ ॥
ॐ मन्त्रैः भोग्यं नैवेद्यं कल्पयामि नमः ॥ १ ॥ प
र्वं सम्पूर्णं ॥ ॐ मन्त्रैः विशेषार्घ्यं नमः
ॐ सर्वाग्निगर्भे नमः ॥ ॐ मूलमन्त्रं कल्पयामि नमः ॥ स
र्वलक्ष्म्यै नमः ॥ ॐ स्वाहा नमः ॥ ॐ स्वधा नमः ॥ ॥ ॥
ॐ सिद्धि ॥ ॐ ह्रं मन्त्रैः सर्वदा कल्पयामि नमः १
पर्वं सम्पूर्णं ॥ ॐ मन्त्रैः सर्वं कल्पयामि नमः १

सि॰
नि॰
३॰

णवं भग० ॥ ॐ ह्रीं मन्त्रः श्रीशं कल्पं नं कौमिध्रु
ज ॥१॥ णवं भ० ॥ ॐ ह्रीं मन्त्रः भः सिव३३ धपक
ल्पं नं कौमिध्रु ज ॥१॥ णवं भ० ॥ ॐ ह्रीं मन्त्रः सुवि
हु३३ हमयं कल्पं नं कौमिध्रु ज ॥१॥ णवं भ०
ॐ ह्रीं मन्त्रः स्वधा३३ धपाटि कल्पं नं कौमिध्रु ज १
णवं भ० ॥ ॐ ह्रीं मन्त्रः ४ मं ॥१॥ णवं ॥ ए३ ॥ ग्रहं ॥
कति ॥ सिद्धं ॥ नर्ति ॥ उष्णं ॥ हृदयं ॥ जमी ॥ सुद्र
श्चकि ॥ श्रीवं ॥ भावं ॥ ॐ ह्रीं मन्त्रं सम धूर सभवी ः स
भधुमगीतकं कल्पं नं कौमिध्रु ज ॥१॥ णवं भग०
ॐ ह्रीं मन्त्रः श्रीभैत्रिनयनं भम्धहूतं ध्रु ज ॥१॥
ह्रीं मन्त्रः स्वभवाषिभावे छवनमः ॥ इति विमुधु
ॐ जः छट् सुग्रये नमः ॥ इतिप्रसन्नं ॥ ह्रीं मन्
त्रः ए३ कम कौमिध्रु ज ॥१॥ ह्रीं मन्त्र ए३ क
मभम्ध हू तं ध्रु ज ॥१॥ छट् सभूय छट् ॥ प्र
३ कसहि छव उध्रु ज ॥१॥ णवं भ० ॥ ॥ ॥ ३३ः ज
भभम्भभ भहू ज ॥ ॥ ॥ ॐ जः छट् सिव ग्रिं
धि भग्रह सिछट् ॥१॥ जः छट् सिवा ग्रिप
हहूसि ॥१॥ जः छट् सिवा ग्रिपाधि धिक सि ॥१
जः छट् सर्वग्रिभ भ्रु स्तु सिछट् ॥ ॥ ॥ प्रवृत्य
उ३ गतः ॥ मकिलि पद्म ॥ प्रवाहः ॥ उ३ दिपद्म

प्रचण्ड॥ पश्चिमेश्रीलि॥ उत्तरपूर्व॥ ॥ ॥ प्रथमेद्वारः॥ भवः
पश्चपश्च पिमेउत्तरपूर्वः॥ दक्षिणेनपूर्वे भस
देवेशमिन्द्रवेत्र॥॥॥ ३ऽः प्रथमे मिद्रमेलविष्णु
मध्यपञ्चम्॥॥॥ प्रथमेबह्मले नमः॥ दक्षिण
नम्यनमः॥ उत्तरे भस्मशिवायनमः॥ पश्चिमे॥
विष्णवेनमः॥॥॥ इतिविष्णवेनमः॥॥॥ उत्तरपूर्व
प्रथ॥॥ ह्रींकं॥ कं॥ कं॥ लं॥ भवणभ
भवग भवेन्द्र॥ भवकक भवभनुणिर्धे॥ पय ७
हेवदेयपपवनमनेनवमे हंवणध्ये
ज॥७॥ हींहींजिनेयधण॥ प्रथमे॥ ह्रीनमः
ये॥ नये॥ ह्रीकनकाय॥ दक्षिणे॥ ह्रीगुरवे॥
नैऋते॥ ह्रींश्वरहणे॥ पश्चिमे॥ ह्रीरक्ताये॥ वायवे
ह्रींवरुणाय॥ उत्तरे॥ इतिगन्धपुष्पादिभिः
पूर्णलिङ्गेपश्चिमभूम्यकाले विष्णुभजिउप
इंभक्ष॥॥॥ इतिवेधुणन्ते॥॥॥ इवेमःस
भउलश्रीनमः॥ इन्द्रायवज्रहस्तायनमः
श्री: सत्रि॰॥ यमायनमः॰॥ नैऋतेयनम॰॥ व
रुणाय पाश॰॥ वायवेवायु॰॥ कुबेराय गदा॰
सोमाय इशानाय शूल॰॥ ब्रह्मणे पद्म॰॥ विष्णवे
चक्र॰॥ ०॰॥॥॥ इतिमंत्र॥॥॥ ३ऽ: इन्द्राय
१ इन्द्रं भः शुक्लाङ्गिनवनयपचम्म यः
१यव्यनमः१

सि॰
नि॰
७५

वाणीमुद्राकरस्कन्धमेकं कौमिश्रायफट् ॥ १ ॥ एवं
मध्यहृदं ॥ १ ॥ स्कन्धाधिवक्त्रकस्कन्धविमुंविम
प्र ॥ ॥ ह्रीं ह्रीं सध्रेः शिखामञ्च कौमिश्रायफट् ॥ १ ॥
एवं मध्यहृदं ॥ मूलेन मन्त्रेण ॥ सध्रेः शिवाग्नि
वनमः ॥ इतिविहृदय ॥ ॥ ह्रीं मः शिवाग्रयेन
मः ॥ इति प्रणवं ॥ ३ ॥ सध्रेः शिवाग्निरितिनाम
कालं कौमिश्रायफट् ॥ १ ॥ एवं मध्यहृदं ॥ ॥ इति
इतिनामकालमा ॥ ॥ सर्वसध्रे सूत्रं ॥ ॥ सक्तं
[illegible] वह्निमित्रये हृक्रवामममा ॥ वमेष्म
स्वगंउश्रुफस्विहुसंस्कलेमनमा ॥ सकप्रसु
मनंघवंष्टलास्कमृविकधिउमा ॥ ंमृसंमित्रय
स्त्रिवंफहेकहेमपवकमा ॥ ॥ ॥ सप्तप्रवक्रि
पश्चिमउत्तुंविमुंउपविमृउधंप्रलंक्रदग ॥
स्त्रवे ॥ सद्मलिनमः ॥ वद्मलिपाहृस्रुगनृभध्र
पक्षीपंम ॥ इति ॥ वद्मलेश्राफ ॥ वद्मललकभृउं ॥
स्त्रवविमुंविमप्र ॥ सकिलेहृदयनमः ॥ हृदय
पाहृस्रुगनृभध्रपक्षीपंम ॥ इति ॥ हृदयश्राफ १
हृदकभृउं ॥ सकिलविमुंविमप्र ॥ उञ्चे ॥ मक्र
शिवायनमः ॥ मक्रशिवाय ॥ पाहृस्रुगनृभध्र
पक्षीपंम ॥ मक्रशिवायश्राफ ॥ १ ॥ मक्रशिवकभृउं

ॐ श्रीविष्णुं तर्पयामि ॥ ॥ ॥ पश्चिमे ॥ विष्णवे नमः ॥ विष्णु
वे पाद्यार्घं गन्धपुष्पधूपदीपनैवेद्यं नमः ॥ विष्णवे [illegible] ॥ १
विष्णुकलशं ॥ पश्चिमे विष्णुं तर्पयामि ॥ ॥ ॥ ॐ वागी
श्वरीपूजनम् ॥ ॥ ॥ ॐ ह्रीं भगवति वागीश्वरि ॥ स्वाग
तम् ॥ १ ॥ सन्निधेहि ॥ १ ॥ सन्निरुद्धा भव ॥ १ ॥ स्वागतम
स्तु ॥ भगवति वागीश्वरि पाद्यार्घं गन्धपुष्पधूप
दीपनैवेद्यं नमः ॥ [illegible] वरदा ॥ ॐ ह्रीं ॥ ॥
ॐ ह्रीं भगवति वागीश्वरि [illegible] ॥ १० ॥ [illegible] ॥ ॥
[illegible] ॥ वागी
श्वरि [illegible] ॥ वागीश्वरि
[illegible] ॥ वागीश्वरीं तर्पयामि ॥ ॥ ॥ ॐ शि
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ ॥ ॥ ॥ [illegible]
[illegible] नमः ॥ [illegible] नमः ॥ [illegible] नमः ॥
[illegible] नमः ॥ [illegible] नमः ॥ [illegible]
नमः ॥ [illegible] ॥ ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

सि० वि० ३०

[illegible]

ह्रैः छ्लं भं ष्लवं क्रौं भिष्टल्॥ इति भगव
गणपतये॥७॥ ॐः म्हैं ल्म्कं ख्लूं ल्म्लूं ऽ श्म
हैं किषित॥॥॥ ह्रीं हुं क्लं क्रौं भिन्नमः॥ इति
हृत्तम्कं॥१०॥ ध्रः ह्रैं वं ल्मं म्हैं ल्म्कें नमव
ह्रं भितेन॥ ह्रीं ष्टल्वी गल्वं क्रौं भिष्टल्॥ इ
तिनीगल्वं॥११॥ ष्ट्लं म्हैं ल्म्कं हूं भयत
पतये॥ ह्रीं भः वक्रैं किषित॥ इति पदत्रिका
लं॥१२॥ धनः छ्लं क्लं क्रौं भिष्टल्॥ ॐः
श्लां म्हैं चतिभद्र॥॥॥ ह्रीं भः स्वभक्तीसुक्तैवाय
नमः॥ ह्रीं हूं॥ सं मित॥ भः मिषा॥ तिकव॥ सं
हैं॥ भः स्वभूयष्टल्॥॥॥ इति भंप्रष्ट॥ स्वभक्ती
मभक्त्यः ऽभक्तीमकृष॥॥॥ ॐः स्वत्रपत्रैपति॥
प्रलेनमलकं ऽकसुयं प्रवार्गं भंक्षुच॥ छगद्येन
नाक्रिद्यं ज्ञदं त॥ महेश्वरभूयनमः॥ स्मिकलि
पितलाय नमः॥ वर्भा॥ इफयनमः॥॥॥ स्वरात्र
छगद्यं मलकं ऽक्षसुयन॥॥॥ पितलामूयाय
प्रदाय नमः॥ भुवभ॥ वक्रिमकठग॥ सं भयभं
सि॰ मूयाय॥ स्वग्रये नमः॥ महे॥ भः इफमूयाय॥
वि॰ भैमाय नमः॥ भुवके॥ वक्रिवाभ॥ इति भंप्रष्ट
३१ स्वबमलकपकं॥॥॥ श्रष्ट मकठग सुक्रिमकु
ठग

[illegible]

[illegible]

सि॰
वि॰
९३

ॐ ग्लूं गं गणपतये नमः स्वाहा ॥ ०-३ ॥ ॥ गां सिद्ध-
बुद्धि ॥ प्रार्थना ॥ विघ्न[illegible] ॥ ॐ ग्लूं गं गण-
पतये मम भद्रं कुरु [illegible] सिद्धिं देहि स्वाहा वौषट् ॥
ॐ ह्रूं मः गणपतिवल्लभाय नमः स्वाहा ॥ ०-३ ॥ ॥
प्रार्थना ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] गणनाथवल्लभाम् ॥ ॥ ॐ ह्रूं मः गणपतिव-
ल्लभाय मम भद्रं कुरु सिद्धिं देहि स्वाहा ॥ ॥ ॐ क्लीं
कुं कुमाराय नमः स्वाहा ॥ ०-३ ॥ ॥ कं सिद्धबुद्धि
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] वयः कु-
मारः ॥ ॥ ॐ क्लीं कुं कुमाराय मम भद्रं कुरु सि-
द्धिं देहि स्वाहा ॥ ॥ ॐ ह्रूं ह्रीं म[illegible]याय नमः स्वा-
हा ॥ ०-३ ॥ ॐ हृदयाय नमः स्वाहा ॥ [illegible] ॥ शिर-
से स्वाहा ॥ ॐ भूर्भुवः स्वः ज्वलिनि शिखायै वष-
ट् ॥ स्वाहा ॥ हुं कवचाय हुं स्वाहा ॥ ॐ नेत्रत्रयाय
वौषट् स्वाहा ॥ [illegible] अस्त्राय फट् ॥ स्वाहा ॥ ॥ प्रार्थना
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

सि॰
नि॰
२७

ॐभिजंद्रमञ्ज्रे॥।॥ॐह्रींह्रीमः भ्रदायभगभ·
भ्रववउ॥।॥ॐॐविष्णायनमःश्रुङ॥०·३॥
ंभिहद्रनि॥।॥अस्त॥।॥ॐम्रींम्रियैश्रुड॥०·३॥
मुंभिहद्रनि॥।॥ ॐधुंभीभाश्वहैश्रुड॥०·३
श्रुभिहद्रनि॥।॥ ॐह्रुंलञ्जीनमःश्रुड॥०·३
हभिहद्रनि॥।॥ॐवंविश्वकमलनमःश्रुड ०·३
वभिहद्रनि॥।॥ ॐहुंफेंमतुचक्रपाभाज
भिर्हृंद्विजि॥७॥फुंनमःश्रुड॥०·३॥ ॐहुंभि
हद्रनि॥।॥ ॐभेंःफ्रोंःभेःॐह्रींह्रींमींहैं
ग्लेःगायत्रिम्रींम्रींह्रींम्रींह्रींह्रींॐधींधुंभीभ
डगायहैश्रुड॥०·३॥ भेंभिहद्रनि॥।॥अस्त
भक्रविद्रम·॥ॐभेंप्रचवउ ॥॥ॐहुंभः
मभद्रीस्वाहैवायश्रुड॥०·३॥ॐहुंहुट·
हैंमिर॥ं॥मियि॥फुंकव·॥हेतेंइ॥ठप
मश्रु॥अस्त॥ ॐमित्र्चभेलिभविश्रुक्राभ
भिभैवंभ्रस्तेमविश्वकमलकभलाभनभुम
भीयुक्षपाइकलमाज्ञवगफयाहुंमवंशि
इभभद्रीस्वाभमुयाभि॥ॐहुंभःभचभरु·
प्रववउ॥।॥ ॐहुंभःमभद्रलह्रीःश्रुडश्रुड
ॐहुंहुट॥प्रववउ॥।॥अस्त॥हैंते॥।॥ ॥॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ०·३
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
सि० [illegible]
नि० [illegible]
३० [illegible]
[illegible]

ॐ क्लीं भिः कमैस्वलायनमः स्वाहा तर्पण पूजनं भवतु

ॐ ह्रीं मं भवतु ॥ ॐ क्लैं नी

लकण्ठायनमः स्वाहा ॥ ०.३ ॥ तर्पण ॥ पूजनं ॥

भवतु ॥ ॐ ह्रीं ... नमः स्वाहा ॥ ०.३ ॥

तर्पण ॥ पूजनं ॥ ॐ ह्रीं ... नमः स्वा ॥

हा ॥ ०.३ ॥ तर्पण ॥ पूजनं ॥

भवतु ॥ ... नमः ॥

स्वाहा ॥ ०.३ ॥ ... तर्पण ॥

भवतु ॥ ... नमः स्वाहा ॥ ०.३ ॥

तर्पण भवतु ॥ ... नमः स्वा

हा ॥ ०.३ ॥ पूजनं ॥ तर्पण ॥ भवतु ॥ ॐ ह्रीं ... क्लीं

... स्वाहा ॥ ०.३ ॥ तर्पण ...

... भवतु ॥ ... स्वाहा ॥ ०.३ ॥

तर्पण ॥ पूजनं ॥ भवतु ॥ ॐ ह्रीं ...

... नमः स्वाहा ॥ ०.३ ॥

64

भुचभद्रमद्र ओमिभुप्रभुप्ना ज्वेषल ॥ ॥ ३४ ॥ भा ॥ ॥
ते वक्र धके वं ३४ य मिथुण नमः ॥ ॥ ॥ लं भद्रे
एवक्र ३४ ॥ विंव भक्ष वक्र ॥ यं मध्ये वक्र ॥
कं में मान वक्र ॥ यं स्मुरुषवक्र ३४ या मिथुण नमः
ऽ त्रिपत्र वक्र ३४ भा ॥ ॥ ॥ मघा ॥ ॥ ॥ ए३
त्रिनाक त्रिवगा भृकि उपरि कीर्त्तः ॥ सभक्षार
डवांग सभू लिं नं घ ३ मायम ॥ ॥ ॥ ३३: ब्रलेन ॥ ॥
ॐ फ्रें स भक [illegible] निचक्रिकलायां धश्री ३ द्रुक्र
ध्मा ह्रत्रः सवीमिना कं मेण्यामि थुज ॥ १० ॥
फ्रें ज सभक लि निचक्रिकलायां [illegible] ल ३ द्रुक्र
ध्मा ह्रत्रः [illegible] वनाकं मेण्यामि थुज ॥ ११ ॥ १२ ॥
ठ फ्रें ज सभक लि निचक्रिकलायां ३ [illegible] द्रुक्र
म ह्रत्रः भज गि नगकं [illegible] मिथुज ॥ १ ॥ ३ ॥
फ्रें ज सभक लि निच त्रिकलायां [illegible] ३ द्रु
ह्रुं प्म ह्रत्रः क्रम्भी पकनाकं मेण्यामि थुज ॥ १ ॥
फ्रें ज सभक लि निचक्रिकलायां भकम द्रुक्र
ध्म ह्रत्रं डभिभूनाकं मेण्यामि थुज ॥ १ ॥ ५
फ्रें जं सभक लि निच त्रिकलायां मघ ३ द्रुक्र
ध्मा ह्र ३: सद्भू भिभूनाकं मेण्यामि थुज ॥ १
फ्रें ज सभक लि निच त्रिकलायां [illegible] द्रुक्र

65

ष्ण ॐ श्रीः मालिनीवत्सनाथं मेण्यामिभूष्य ॥३॥॥१

ह्रीं हं समक ल्ले निवृत्तिकलायां ऽप भुवने श्री

ः श्रुली वत्सनाथं मेण्यामिभूष्य ॥३॥॥३॥॥

ह्रीं हं समक ल्ले निवृत्तिकलायां भ भुवने श्री

ष्ण ॐ श्रीः पद्मनाथं मेण्यामिभूष्य ॥३॥॥७

ह्रीं हं समक ल्ले निवृत्तिकलायां गरु भुवने श्री

ष्ण ॐ श्रीः भद्रपद्मनाथं मेण्यामिभूष्य ॥३॥ १०

ह्रीं हं समक ल्ले निवृत्तिकलायां लिङ्ग भुवने

श्री ष्ण ॐ श्रीः कालभद्रनाथं मेण्यामिभूष्य ॥३ १००

ह्रीं हं समक ल्ले निवृत्तिकलायां ऋल भुवने

श्री ष्ण ॐ श्रीः भ्रमीभायनाथं मेण्यामिभूष्य ॥३ १०३

ह्रीं हं समक ल्ले निवृत्तिकलायां मक भुवने श्री

ष्ण ॐ श्रीः भद्रकपनाथं मेण्यामिभूष्य ॥३॥०३

ह्रीं हं समक ल्ले निवृत्तिकलायां मेरु भुवने श्री ष्ण

ॐ श्रीः कामरनाथं मेण्यामिभूष्य ॥३॥॥०८

ह्रीं हं समक ल्ले निवृत्तिकलायां वज्र भुवने श्री ष्ण

ॐ श्रीः समिपद्मनाथं मेण्यामिभूष्य ॥३॥॥०५

सि० ह्रीं हं समक ल्ले निवृत्तिकलायां पालि भुवने

नि० श्री ष्ण ॐ श्रीः सभितालनाथं मेण्यामिभूष्य ॥३ १०६

३८ ह्रीं हं समक ल्ले निवृत्तिकलायां पाप भुवने श्री

[illegible] ॥१॥ ०१
[illegible]
[illegible] ॥१। ०३
[illegible]
[illegible] ॥३॥ ०७
[illegible]
[illegible] ॥१। १०
[illegible]
[illegible] ॥१ १०
[illegible]
[illegible] ॥१। ११
[illegible]
[illegible] ॥१॥ १२
[illegible]
[illegible] ॥१॥ १५
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

रक्षः । [illegible] ॥ ॥ ॐ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ ॐ [illegible]
[illegible] सर्व[illegible] ॐ
कवचाय ॥ ॥ ॐ ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः [illegible] ॥ ॐ [illegible]
नेत्रत्रयाय ॥ ॥ ॐ शिव[illegible]
[illegible] ॥ ॥ ॐ ह्रीं श्रीं सूर्याय नमः
ॐ [illegible] ॥ ॐ [illegible] सूर्याय [illegible] नमः
[illegible] ॥ ॐ [illegible] सूर्याय [illegible] नमः ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] सूर्याय [illegible] नमः ॥ १० ॥ ॥
मन्त्रः [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
सि॰ वि॰ ३५ [illegible] ॥ शिव[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ ॐ [illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

ॐ [illegible] मालिन्यै नमः॥ ॐ [illegible] मातृकायै नमः॥ ॐ [illegible] मा
लिन्यै नमः॥ ॐ [illegible] मातृकायै नमः॥ ॐ [illegible] मालिन्यै न
मः॥ ॐ [illegible] मातृकायै नमः॥ ॐ लं मालिन्यै नमः॥ ॐ
[illegible] मातृकायै नमः॥ ॐ [illegible] मालिन्यै नमः॥ ॐ उं मा
तृकायै नमः॥ ॐ [illegible] मालिन्यै नमः॥ ॐ [illegible] मातृकाय
नमः॥ ॐ [illegible] मालिन्यै नमः॥ ॐ [illegible] मातृकायै नमः॥
ॐ [illegible] मालिन्यै नमः॥ ॐ [illegible] मातृकायै नमः॥ ॐ [illegible] मा
लिन्यै नमः॥ ॐ [illegible] मातृकायै नमः॥ ॐ [illegible] मालिन्यै
नमः॥ ॐ [illegible] मातृकायै नमः॥ ॐ [illegible] मालिन्यै नमः॥
ॐ [illegible] मातृकायै नमः॥ ॐ [illegible] मालिन्यै नमः॥ ॐ [illegible] मा
तृकायै नमः॥ ॐ [illegible] मालिन्यै नमः॥ ॐ [illegible] मातृकायै
नमः॥ ॐ [illegible] मालिन्यै नमः॥ ॐ [illegible] मातृकायै नमः
ॐ [illegible] मालिन्यै नमः॥ ॐ [illegible] मातृकायै नमः॥ ॐ [illegible] मा
लिन्यै नमः॥ ॐ [illegible] मातृकायै नमः॥ ॐ [illegible] मालिन्यै न
मः॥ ॐ [illegible] मातृकायै नमः॥ ॐ [illegible] मालिन्यै नमः॥ ॐ
[illegible] मातृकायै नमः॥ ॐ [illegible] मालिन्यै नमः॥ ॐ [illegible] मा
तृकायै नमः॥ ॐ [illegible] मालिन्यै नमः॥ ॐ [illegible] मातृकायै
नमः॥ ॐ [illegible] मालिन्यै नमः॥ ॐ [illegible] मातृकायै नमः॥
ॐ [illegible] मालिन्यै नमः॥ ॐ [illegible] मातृकायै नमः॥ ॐ [illegible] मा
लिन्यै नमः॥ ॐ [illegible] मातृकायै नमः॥ ॐ कं मालिन्यै नमः

३१

[illegible] 𑆩𑆳𑆠𑆸𑆑𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆬𑆴𑆤𑇀𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆠𑆸𑆑
𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆬𑆴𑆤𑇀𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆠𑆸𑆑𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible]
𑆩𑆳𑆬𑆴𑆤𑇀𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆠𑆸𑆑𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆬𑆴𑆤𑇀𑆪𑆽
𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆠𑆸𑆑𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆬𑆴𑆤𑇀𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆
[illegible] 𑆩𑆳𑆠𑆸𑆑𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆬𑆴𑆤𑇀𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆠𑆸
𑆑𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆬𑆴𑆤𑇀𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆠𑆸𑆑𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂
[illegible] 𑆩𑆳𑆬𑆴𑆤𑇀𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆠𑆸𑆑𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳
𑆬𑆴𑆤𑇀𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆠𑆸𑆑𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆬𑆴𑆤𑇀𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂
[illegible] 𑆩𑆳𑆠𑆸𑆑𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆬𑆴𑆤𑇀𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆠𑆸𑆑
𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆬𑆴𑆤𑇀𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆠𑆸𑆑𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆
[illegible] 𑆩𑆳𑆬𑆴𑆤𑇀𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆠𑆸𑆑𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳
𑆬𑆴𑆤𑇀𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑇆 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆠𑆸𑆑𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆬𑆴𑆤𑇀𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible]
𑆩𑆳𑆠𑆸𑆑𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆬𑆴𑆤𑇀𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆠𑆸𑆑
𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆬𑆴𑆤𑇀𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆠𑆸𑆑𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂
[illegible] 𑆩𑆳𑆬𑆴𑆤𑇀𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆠𑆸𑆑𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible]
𑆩𑆳𑆬𑆴𑆤𑇀𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆠𑆸𑆑𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆬𑆴
𑆤𑇀𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆠𑆸𑆑𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆬𑆴𑆤𑇀𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂
[illegible] 𑆩𑆳𑆠𑆸𑆑𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 [illegible] 𑆩𑆳𑆬𑆴𑆤𑇀𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇆 𑇆 𑇆
[illegible] 𑇆 𑇆 𑇆

[illegible] ७७

लज्जलमक्रुनायिकयैकृतावत्तिमञ्जीकपालि
द्दी । उद्धृत ॥ ऐं ह्रीं क्रुं फ्रें ह्रैं कं क्रूं नमः ॥ क्रींपाभकं
भिनिविचाल्लभानाशिष्विधिमेपल्लवभूसभनि
भकलमत्तिस्तविभुल्लेमसलिनिभचाभाग्भे
पित्तवलि भकलमहभूमिषिनि । सवि । क्त्वाम्भ ॥ ३
कभ । ३ ॥ वल्ल ॥ ३ ॥ नाभक्षिरवभाभ्रुत्तक्षिलि । ३ ।
भभधुमत्रूमत्र ॥ ३ ॥ यायाक्षि । ३ । ह्रिम्भुल्लेनक्षिक्षि ॥ ३
क्षिक्षि । ३ । यक्नद्भरकया । ३ । क्षेमरया । ३ । रुवह
[illegible] मभकलभनैः षाद्ममया ॥ ३ ॥ पाभकश
लि केश्नावत्ति ॥ भक्षैरवक्षपर्णगलि । त्रि
ससवागनिभित्तु ॥ भकलभत्तुभात्त ॥ खल्लउथैर
वमूल्ले ॥ सविभक्षकलिकाल्लनामिनि । क्रुं । ३ ॥
भूभीमभसनात्तुर्गक्रम ॥ ३ ॥ ध्वाध्वाकट्टकं
ह्रीं श्रीं क्रुं फट फट फट स्वाहा । ३७ ॥ ०३ ॥
पाभकं भिनि । ह ॥ निवाल्लभान भूमि ॥ मि० ॥
विधिमेपल्लवभूसभलि ॥ मिया ॥ भकलमत्ति
स्तविभुल्लेमसलिनि ॥ कव० ॥ भचथरुंभेष
उत्तलि ॥ वे ॥ भकल्लमहभूमविनि ॥ सभू० ॥
भकं ॥ उद्धृत सूनं कक्षिनिवाकटं क्रुं भूलभूतं
क्रं पांमंहूनंभत्तरमभयं ० भुकं सांफटंस ॥

[illegible]

[illegible]

क्लीं दें कौलिनी श्रुत्वमः ॥ ॥ ॐ तिसृणाङ्कुले ॥ ॥
ऐं ह्रीं श्रीं क्लीं दें हें भे भगभक स्त्र ॐ ग श्र मा ष्ट ह्रीं
त्रुनउ सकमउडं में घनि ह्रीं श्रीं क्लीं दें हन ॥ ३ कौ
लिनी नमः ॥ ॐ ॐ सहूँ नहिमः ॥ ॥ सघवा ति
लउ श्लि दें भयेउ ॥ ॥ ॥ अयश्रीउड यथ्रा जं ॥
सभुडय ॥ ऊं ष भुडु । वा षभुड ॥ सकमभुडय ॥
गन्धभु ॥ रसभु । रूपभु । स्पर्शभु ॥ शब्दभु ॥ उ
पभु । पयभु ॥ पम भु ॥ पालिभु ॥ वकाउडु ॥
भूलभु ॥ लिङ्गउ । मक्षभु । द्रुकाउडु ॥
भगभु ॥ ... । शक्तिभु । धृतिभु ॥ सपयभु ॥
कलभु ॥ नियउ । गणभु । विष्णुउ । कलउ । भ
यउ । मृदुविष्णुउ । रंस्त्राउ । भरुमिवउ । मति
उ । मिवउ ड्यथ्रा जं । ११ ॥ ॥ ऐं हल जभाक
भलवयऊं हल हल हल हल हल हल
हल स भक घूरु न मिश्राज ॥ ॥ ०००० ॥ ॥
पथ भाजश्मिके दैमः ॥ ॥ उश्ले लिङ्गदैमः ॥
ऐं ह्रीं जिह्रयथ्रा ज ॥ ऐं क्लीं हस्लायै श्रा जं ॥ ऐं
क्लीं कनकायै ॥ क्लीं मतिरक्षायै ॥ दें श्रुखण्डायै ॥ श्री
रक्षायै ॥ श्रीवरक्षायथ्रा ज ॥ ॥ सघवा ३ ॥ ॥
पश्रीउड्डियपउिसुद्धव ॥ सुगस्क ॥ ४ ॥ भतिसु ॥ ४ ॥

शि० नि० ७३

[illegible]

[illegible]

सि॰
नि॰
२७

धृतिभूतनायभुवनेशनि ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रूं कैलिनि
भूजा॥ ०॥ ह्रीं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रूं ॐ विकटचक्रमनि
भुवनभूतनायभुवनेशनि ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रूं कैलिनि भूजा॥ ०॥ ॥
ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रूं विकराल
भुवनेशनि ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रूं कैलिनि भूजा॥ ०॥
ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रूं
ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रूं
कैलिनि भूजा॥ ०॥ ॥ कैली
॥ ॥
॥ ॥ ॥
कैलिनी
॥ ॥ ॥
॥ ॥ ३
॥ ३॥ ॥ ३॥
॥ ॥ ॥
॥ ॥
॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥

उग्रं भीमं || महं वृक्षमूलः || हरिः || ॐ || विजयं ||
ध्व || धूर्जटयः || ॰ || पापनाशकं || नै || शुक्लकं || प
रमेश्वरः || वा || दुष्टभक्षकं || उ || पिनाकिपाणिं || रं ||
सिद्धवागुरुवधं || शुभ्रनै॰ || पितृः || वा || भा || तुः ||
महेश्वरं भिक्षुकं || वा || धान्वीकं || सिद्धवाग्गु
रुदं || कृतान्तकर्त्री || त्रिकण्ठं |||| रंसा
वे || गगनभुवनं || रंमानवं || ॐ नमो भगवते नमः || ध्व
ग्रे || महाग्रे || भुवनेश्वरं || वे || कपालभुवनं || विश्वः
वायवं || वायुभुवनं || रंस्वाहां || महें || महीधरं
वृक्षः || ग्र || रुद्रं || मा || यमं || प || शर्वपते ||
उ || भीमं || भ || वृक्षमूलः || ग्र || हरिः || विजयं
धूर्जटयः || म || पापनाशकं || नै || शुक्लकं || प ||
रमेश्वरः || वा || दुष्टभक्षकं || उ || पिनाकपाणिं || रं ||
सिद्धवागुरुवधं || ॐ नमो भगवते नमः || ||
रंसावे गगनभुवनाय || रंमानवाय || महाग्राय || महाग्रभुव
नाय || नैनौ || कपालभुवनाय || विश्वाय || वायवे ||
सि॰ वायुभुवनाय रंस्वाहाय || महे || महीधरभुवनाय वृक्षमूल
नि॰ रुद्राय || यमाय || शर्वपतये || भीमाय || हरि
॰ ये || विजयाय || धूर्जटये || पापनाशकाय || शुक्लकाय ||
महेशाय || दुष्टभक्षकाय || पिनाकपाणये || सिद्धवागु

देवताह्नः ॥ ह्रुं ब्रह्मणे यामि ॥ तं ब्रह्मणे ॥ ॥ ॥ रं मानै ॥
गगनपुत्र रं मानं ॥ सुग्रे ॥ सग्रेपुत्रं कृष्णं ॥ नैवेद्ये ॥
ष्णलपुत्रं विघ्नं ॥ वायव्ये ॥ वायुपुत्रं रं सुतं ॥ महे ॥ प
ष्टीपुत्र ॥ ब्रह्मणे ॥ उत्तरे ॥ यमं ॥ सपापयतिं ॥ भिमं ॥
सप्तिं कं ॥ विघ्नेदं ॥ अर्द्धनायं ॥ पापापकभी ॥ कूटं ॥
सदभ्रं ॥ ष्णभ्रुकं ॥ पिलपिछ्कं ॥ पिङ्गवापुदिवस
स्वाप्यभूमि ॥ पिङ्गवाय ॥ ॥ ॥ पाहृं भस्कंन
मः ॥ ॥ मन्त्रदेवी ॥ लाप्सा ॥ सथुभत्तिल छलप ॥
[illegible]ः पाहृं ॥ ॥ ॥ रं मानेगगनेपुत्राय रं मान
य ॥ भवं ॥ ०३ ॥ पाहृं नमः ॥ ॥ ॥ पानः मन्त्रदेवी ॥ उ
पः कीर्तिं ॥ सथुभत्तिल ॥ छगवेत्तेहृं ॥ ॥ ॥ रं माने ॥
गगनपुत्र रं मानं ॥ सुग्रेः ॥ धुकीपुत्र कृष्णं ॥ नैवेद्ये
ष्णलपुत्र विघ्नं ॥ वायव्ये ॥ वायुपुत्र रं सुतं ॥ महे ॥
पष्टीपुत्र ब्रह्मणे ॥ अर्चि ॥ उत्तरे ॥ म यमं ॥ पा ॥ सप
यतिनं ॥ उ ॥ भिमं ॥ भा ॥ ब्रह्मनं ॥ सप्तिकं ॥ विघ्नेद ॥
अर्द्ध ॥ पापापकभि ॥ कूटं ॥ सदभ्र ॥ ष्णभ्रुक ॥
पिलपिछ्क ॥ पिङ्गवापुदिवसः ॥ उदंवः ॥ स
हृं नमः ॥ ॥ ॥ रं मानेगगनपुत्राय रं मानाय ॥ भवं ॥ ०३
भमालरत्नगर्भे नमः ॥ सत्येनमः ॥ धर्मनमः ॥ प
उद्दिष्टपिङ्गवापुदिवसाह्नः ॥ ऋषिनमः ॥ तीर्थनमः ॥

ष्ठेहि सिद्धं वधुस्विवश्यहुः ॥ वामेनमः ॥ सिद्धसर्ग
रमः स्कसतं मचं कद्र मास्त्रिकमर ॥॥ कस्मीरक
षयं ॥॥ कपग ॥ मास्री जर्ने ॥ मर ॥ ठियेयधि
० ज ॥ भ्रमिमा ॥ उभेक ॥ मन ॥ कपालिकं स्वयं ॥
मंवस्कि ञ्जंडवड ॥ ॐः नेवेसुं ॥ ५८ह्रू८क
कैरवां ॥ मनं ॥ पिपभीनंभंमं ॥॥ रमानेगगान
मडय रंमानायनभेनेवेसुं निवेस्य शिनमः ॥
मवं ॥ १३ ॥॥ वैस्किं ॥ डम्म कगं ॥ भ्रत्थं डवड
ॐः श्रुकमसीकंरलिः ॥ सघवाभ्रगकं
पद्म ह्रह्र ॥ सविहि नैव ॥॥ नमः ह्रूहा स्विमाय
हि नेव ॥ डह स्वि ॥॥ ॐः सिवाग्निकज्वंगह्र जिमं
कायेड ॥॥ स्मिंजकैवायधुज ० कीष
॰ कैवाय ॥ ७ ॥ कपालिमकैव ॰ उन्मत्तकैव ॰
ह्रैणर्षु कै ॥ सप्त कैव ॰ ॥ ककैव ॰ सभिडन्न
कैवायधुज ॥ ३ ॥॥ स्मिजलक्ष्मीधाय सा
मञ्जू ॥ वरहे ॥ ह्रे ॥ वेष्टे ॥ कैमादे ॥ मज
सैदे ॥ सुर्धृ ॥ मह ॥ सक्तिकैवायधुज ॥ श्रम
सि० ङकयधुफ ॥ कङ्कलाय ॥ कैमगवाय ॥ सङ्गन
नि० माय ॥ कावीर्याय ॥ काङ्काहाय ॥ कलहमाय
१० क्रलेश्वराय ॥॥ ॐः श्रुकुसभावाहमंधुल्य
चवर

रहस्यकश्रीं नमः स्वाहा ॥ १ ॥ ह्रीं ऐं हूं आत्मशिव
सर्वकर्मप्रदश्रीकमंडलस्वाहा ॥ १ ॥ ॥ ॐ
नमः ॥ ॥ ह्रीं हूं वषट्पदेवाय श्रीं रुद्रवीर्याय
ह्रीं हूं सर्वकर्मकृत्पालमंत्रमिहूं क्लीं स्वाहा
क्लीं ॥ १ ॥ ॥ ह्रीं हूं सर्वकर्मभायीयपमंत्र
मिहूं क्लीं स्वाहा क्लीं ॥ १ ॥ ॥ ह्रीं हूं सर्वकर्म
शुद्धपालमंत्रमि हूं क्लीं स्वाहा क्लीं ॥ १ ॥ ॥
ह्रीं हूं सर्वकर्मयक्षिणीमेघायमि क्लीं ॥ १ ॥ स्वा
हा ॥ १० ॥ ह्रीं ॐ नमः सर्वश्रीसूर्यदेवाय स
नमः सर्वश्रीसूर्यदेवाय यक्षिणीमेघायमि
क्लीं ॥ १ ॥ स्वाहा ०० ॥ ॥ नमः ॥ ॥ ह्रीं ॐ नमः सर्व
श्रीसूर्यदेवाय सकलमंत्रनः सर्वश्रीसूर्यदेवाय
यक्षिणीमेघाय मि वीर्यफल स्वाहा ॥ ॥ सर्वशु
द्धा ॥ ॥ ह्रीं सकलमंत्रवपरं क्लीं क्लीं क्लीं ।
क्लीं क्लीं क्लीं क्लीं क्लीं सर्वकर्म यक्षि
णीमंत्रमि क्लीं क्लीं क्लीं क्लीं क्लीं क्लीं क्लीं
क्लीं स्वाहा ॥ ॥ मन्त्रः सर्वमंत्रः मंत्रः ॥
मन्त्रः सर्ववीर्यफल स्वाहा ॥ ॥ शिवार्चन
उत्पन्न नवाक्षरः शक्तिसमन्वितः ॥
सर्वकर्मप्रदायी त्रिशूलधारी शिवमूर्तये ॥

शि०
लि०
१७

८४

कपाभाजमिकैजेभः ॥ प्रचपापनिहत्तुउः ॥ म
त्तृकमलिमंमिह्रैमभकभृभुभलउः ॥ महगी
तंमउजद्रु ॥ भ्रन्तमपदयाउउः ॥ ॥ ॥ उँउयैङ्
विकंक्रहतं ॥ ॥ ॥ मनत्तुभूलवैम्नप्रवंभ्रम
किलिमविमहु ॥ मवभृवाभनाहृहद्यंभृवि
मृ ॥ भूयृभुंमिउत्वैमभ्रैलक्किद्रुम्पहमृ ॥ ॥ ॥
उम्नकिलिवविनहभ्रवाभिनह्ममिभृविभृभ
भुमिभद्रुयजें कपललपहहैमिनह्रुमेल ॥ ॥ ॥
किजभाकभलवयजें मविमउन्नमवंपाभमि
वैयैङ्यामिभ्रजवैघल ॥ ० ॥ ८ उँप्रन्ल ॥ ॥
उउः भभृवालजैभः ॥ ॥ ॐ ह्रीं मनत्तूयभ्रू
ज ॥ ॐ भृभ्रक्रयभ्रूज ॥ ॐ मिवैत्तुभायभ्रूज ॥
कं पकहम्नुयभ्रूज ॥ ॐ ह्रौं पकवेहयभ्रू
ज ॥ ॐ ब्रिभ्रुयेभ्रूज ॥ ॐ म्नीकळयभ्रूज ॥
ॐ मीमापाक्ष्मिवैभ्रूज ॥ ॐ गीवक्षित्रेभ्रूज
भं भीभदृकनायभ्रूज ॥ ॐ फैं उकिहृम
यभ्रूज ॥ ॐ ह्लूंगांगालपउयेभ्रूज ॥ ॐ कुंमध
उयभ्रूज ॥ ॐ ह्रेंकंकभागयभ्रूज ॥ ॐ ह्रीं भः
मक्षिकयभ्रूज ॥ क्रूंमाञ्जेमागयूभूज ॥ ॐ
ह्लुंमन्दूयवक्षूजशूयभूज ॥ ॐ कं मयये

नक्षित्रेभ्यः ॥ ॐ ह्रूं [illegible] भ्यः ॥ ॐ ह्रौं [illegible]
[illegible] ॥ ॐ ह्रूं [illegible] भ्यः ॥ ॐ ह्रूं [illegible]
[illegible] ॥ ॐ ह्रौं [illegible] ॥ ॐ ह्रौं [illegible]
लकेभ्यः ॥ ॐ ह्रौं [illegible] भ्यः ॥ ॐ ह्रूं [illegible]
[illegible] भ्यः [illegible] ॥ ॐ ह्रूं [illegible] ॥ ॐ
[illegible] ॥ ॐ [illegible] ॥ ॐ [illegible]
[illegible] ॥ ॐ ह्रूं [illegible] ॥ ॐ [illegible] ॥ ॐ ह्रूं [illegible]
[illegible] ॥ ॐ [illegible] ॥ ॐ हं ह्रीं नमः [illegible] ॥
ॐ ह्रूं [illegible] ॥ ॐ ह्रूं [illegible] काय ॥ ॐ [illegible]
य ॥ ॐ ह्रूं [illegible] वाय ॥ ॐ ह्रीं [illegible] नवाय ॥ ॐ ह्रूं [illegible]
[illegible] ॥ ॐ ह्रूं [illegible] ॥ ॐ ह्रीं [illegible] ॥ ॐ [illegible]
[illegible] ॥ ॐ [illegible] ॥ ॐ [illegible] नाग ॥
ॐ [illegible] नाग ॥ ॐ [illegible] नाग ॥ ॐ [illegible] नाग ॥
ॐ [illegible] नाग ॥ ॐ [illegible] नाग ॥ ॐ [illegible]
[illegible] ॥ ॐ [illegible] ॥ ॐ [illegible] ॥
ॐ [illegible] ॥ ॐ [illegible] ॥ ॐ [illegible]
[illegible] ॥ ॐ [illegible] ॥ ॥ इति
[illegible] ॥ ॥ ॐ [illegible]
[illegible] ॥ ॐ ह्रूं [illegible] ॥ ॐ [illegible]
[illegible] ॥ ॐ [illegible] ॥

सि॰
वि॰
९३

[illegible]

ॐ पिङ्गलाय ॥ ॐ भूतभव्यपतये नमः ॥ ॐ भूः पतये नमः ॥ ॐ भुवः पतये नमः ॥ ॐ स्वः पतये नमः ॥ ॐ भूर्भुवःस्वः पतये नमः ॥ ॐ भूर्लोकपतये नमः ॥ ॐ भुवर्लोकपतये नमः ॥ ॐ स्वर्लोकपतये नमः ॥ ॐ भूर्भुवःस्वर्लोकपतये नमः ॥ ॐ [illegible]यपतये नमः ॥ ॐ सत्रैलोक्यपतये नमः ॥ ॐ [illegible]कमायपतये नमः ॥ ॐ भद्राय पतये नमः ॥ ॐ सर्वमेधपतये नमः ॥ ॐ अश्वमेधपतये नमः ॥ ॐ [illegible]क्रतुपतये नमः ॥ ॐ उक्ताहक्रतुपतये नमः ॥ ॐ महाक्रतुपतये नमः ॥ ॐ भद्ररूपाय पतये नमः ॥ ॐ सिद्धरूपाय पतये नमः ॥ ॐ ज्ञानरूपाय पतये नमः ॥ ॥ ॐ भद्रद्वीपे नमः ॥ ॐ पद्मद्वीपे नमः ॥ ॐ रत्नद्वीपे नमः ॥ ॐ कुमुद्वीपे नमः ॥ ॐ कलद्वीपे नमः ॥ निवृत्तिकलायै ॥ ॐ प्रतिष्ठाकलायै ॥ ॐ विद्याकलायै ॥ ॐ शान्ताकलायै ॥ ॐ शान्त्यतीताकलायै ॥ ॐ निवृत्त्यात्मिकलाधिपतये ब्रह्मणे नमः ॥ ॐ प्रतिष्ठाकलाधिपतये विष्णवे नमः ॥ ॐ विद्याकलाधिपतये रुद्राय नमः ॥ ॐ शान्ताकलाधिपतये ईश्वराय नमः ॥ ॐ शान्त्यतीताकलाधिपतये सदाशिवाय नमः ॥ ॥ ॐ अनन्ताय ॥ ॐ [illegible]काय ॥ ॐ धर्माय ॥ ॐ [illegible] नमः ॥ ॐ [illegible]य ॥ ॐ [illegible]य ॥ ॐ वैराग्याय ॥ ॐ ऐश्वर्याय नमः ॥ ॐ अ[illegible]य ॥

सि॰ नि॰ २२

ॐ पादुकाय || ॐ वीरभद्राय || ॐ कुमारविभूतये नमः || ॐ
पञ्चवक्त्राय || ॐ त्रिनेत्रकलात्मने || ॐ वरदाय || ॐ शूलाय
ॐ पाशहस्ताय || ॐ अभयहस्ताय नमः ||| ॐ ह्रां अङ्गुष्ठाभ्यां
नमः कलात्मने नमः || ॐ ह्रीं तर्जनीभ्यां स्वाहा
कलाहः नमः || ॐ ह्रूं मध्यमाभ्यां वषट्
कलाहः नमः || ॐ ह्रैं अनामिकाभ्यां हुं
हः नमः || ॐ ह्रौं कनिष्ठिकाभ्यां वौषट् कलाहः
नमः ||| ॐ हृदयाय नमः || ॐ शिरसे स्वाहा नमः ||
ॐ शिखायै नमः || ॐ कवचाय नमः || ॐ नेत्रत्रयाय
नमः || ॐ करतलकरपृष्ठाभ्यां || ॐ करतलकरपृष्ठाभ्यां || ॐ
नवपञ्चवर्णाय || ॐ भैरवाय || ॐ भैरवाय नमः
ॐ महाभैरवाय || ॐ भैरवाय नमः ||| ॐ ह्रीं श्रीं
वटुकाय नमः || ॐ योगिनीभ्यः || ॐ क्षेत्रपालाय || ॐ
गणाधिपतये नमः || ॐ दुर्गायै नमः || ॐ महालक्ष्म्यै
नमः || ॐ विश्वक्सेनाय || ॐ ऐं विष्वक्सेनाय || ॐ महाकाल
भैरवनाथाय नमः || ॐ मृत्युञ्जयाय नमः ||
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं वटुकाय || ॐ ह्रीं क्लीं क्षेत्रपालाय
य || ॐ महाभैरवाय || ॐ महाभैरवाय || ॐ का
लाय || ॐ कालान्तकाय || ॐ एकपादाय || ॐ भीमरूपि
णे || ॐ करालाक्ष्याय || ॐ दंष्ट्राकेशाय || ॐ लम्बो
दराय

ॐ ममघृतेरुपावायघृत ॥१॥ ॐ ह्रीं श्रीं अघोरकपा
लिने ॥ ॐ कङ्कालाय ॥ ॐ भीमगर्वाय ॥ ॐ चण्डतेजसे ॥
ॐ कपालिने ॥ ॐ करालाय ॥ ॐ कालकालाय ॥ ॐ कृ
त्तिवाससे ॥ ॐ ह्रीं श्रीं अघोरघोरतरेभ्यः ॥ ॐ अघोर
रूपाय ॥ ॐ करालाय ॥ ॐ भीमपिङ्गल ॥ ॐ श्मशानाधि
पतये भैरवाय ॥ ॐ नमोऽनन्तरूपाय भैरवाय ॥१॥ अघ
ोरमन्त्राधिपतये ॥१॥ ॐ अकलं कलितं विभुम् ॥ अ
मलं चिन्मयं अजं अजरम् ॥ ॐ अमृतं सर्वपापहरं
सर्वमङ्गलं भक्तवत्सलम् ॥१॥ ॐ ह्रीं श्रीं अघोर
मूर्तये ॥ ॐ अघोररूपाय अघोराय ॥ ॐ नमः शिवः भूर्भुवस्व
ः ॥ १ ॥ ॐ ह्रौं अघोराधिपतये ॐ अघोररूपाय अघोराधिपते
शिवाय ॥ अनन्ताय ॥ अनाथाय ॥ अनाश्रिताय ॥ ध्रु
वाय ॥ शाश्वताय ॥ योगपीठसंस्थिताय ॥ नित्यं यो
गिने ॥ ध्यानहाराय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ सर्वप्रभवे
शिवाय ॥ ईशानमूर्ध्ने ॥ तत्पुरुषवक्त्राय ॥ अघोरहृ
दयाय ॥ वामदेवगुह्याय ॥ सद्योजातमूर्तये ॥ ॐ
नमो गुह्यातिगुह्याय ॥ गोप्त्रे निधनाय ॥ सर्वयोगाधि
सि॰ कृताय ॥ ज्योतीरूपाय ॥ परमेश्वराय ॥ अचेतनाय ॥४॥
नि॰ हृदयाय ॥४॥ हृदधिने ॥४॥ शिखाधिने ॥४॥ अघोरमूर्तये ॥४॥
२५ उष्णीषः ॥४॥ ज्योतिः ॥४॥ अघोररूपः ॥४॥ अनाद्यः ॥४॥ अघोर
नाथ ॥४॥

[illegible]

सि॰
नि॰

[illegible]

ॐ हवमः क्रूं स्वाहा ॥ शिरसे ॥ ॐ ठीमठीधिलिमव
विद्रुद्रमय विमलि हिमिक्रूं स्वाहा ॥ शिखा ॥ ॐ ह्रौं
यक्रूं स्वाहा । कव ॥ ॐ ह्रैं नमः नेत्रहुं ॥ ॐ त्र्यक्षि ॥ अस्त्रा
य फट् स्वाहा ॥ ॐ वामदेवाय ज्येष्ठाय रुद्राय
कालाय ॥ कलविकरणाय स्वाहा ॥ बलविक
रणाय ॥ बलप्रमथनाय ॥ सर्वभूतदमनाय ॥
ॐ मनोन्मनाय ॥ ७ ॥ ॐ वामदेवगुह्याय ॥ हृ ॥ ॐ वाम
देवहृदय स्वाहा । शिरसे ॥ सर्वपापप्रशमनि वामदेव ॥
शिखा ॥ ॐ वामसर्वाय क्रूं स्वाहा ॥ कव ॥ ॐ ह्रैं नमः ॥
नेत्र ॥ ॐ त्र्यक्षि ॥ अस्त्राय फट् स्वाहा ॥ ॥ ॐ अघो
रेभ्यो घोरेभ्यो घोरघोरतरेभ्यो नमः ॥ सर्वतः सर्व
सर्वेभ्यो नमस्ते अस्तु रुद्ररूपेभ्य ॥ ७ ॥ ॐ अघोरः कूर्म
य स्वाहा ॥ हृदय ॥ अघोरः कवचाय नमः ॥
शिर ॥ अघोरहृदि स्वाहा ॥ शिखा ॥ अघोरेश
भ्रुवे स्वाहा ॥ कवच ॥ ॐ ह्रैं नमः नेत्रहुं ॥ ॐ अघो
रास्त्राय फट् स्वाहा ॥ ॥ ॐ ओं ह्रौं अघोराय
नेत्राय ॥ ॥ ॐ ईशानः सर्वविद्यानाम् ॥ ॐ ईश
रः सर्वभूतानां ब्रह्माधिपति ब्रह्मणो
धिपतिर्ब्रह्मा शिवो मे अस्तु सदाशिवोम् ॥ ॥ ॐ ईशानः
सर्वविद्येश्वराय ॥ ॐ ईशानमूर्तये नमः

[illegible]

श्रवण्ठेः॥ विमलनेनक्षवर्णं कउहुंउभमाण्डेः
मत्रभामंपयिभक्तृमहहेंसमंभपु॥ ऽहपुनं
बलिभृन्नः क्रह्माक्षिहमिड्जने॥।॥ उहक्षेउ
जुनंमवंक्षक्ल्भभुकंमिड्याड्ह्रेभृ॥ंमने
श्रुक्कहड्॥वण्वे॥कभायिड्॥नैन्ठे भम्हृ
ड॥ा॥।॥ मिवमिरमिभभीये॥म्वयिड्यंमंक्ष
ह॥मिड्ग्रेभृहल्॥।॥ उउः प्रक्ष [illegible]
[illegible]॥।॥ [illegible]
[illegible]
ड॥।॥ [illegible]॥।॥ [illegible]॥।॥ [illegible]
[illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥।॥ [illegible]
[illegible]॥।॥
[illegible]॥।॥ [illegible]
[illegible]॥ [illegible]
[illegible]॥ [illegible]॥।॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]॥ ० ३॥ [illegible]
[illegible]॥।॥ ० ३॥।॥ [illegible]
[illegible]॥।॥ [illegible]॥।॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

त्वं भूतमिति विद्यात् ॥ ॥ ॥ ॐ शिवं वन्दे सर्वस्थितं स्व-
रूपं ॥ स्तवराजं ॥ ॥ ॥ ॐ उपमन्युं ॥ ॥ ॥ शिवं भजे भजितं
उमापतिं ध्येयं सर्वं परं ब्रह्म परं शिवं नमः ॥ स्वरूपं ब्र-
ह्मविष्णुमहेशाख्यं त्रिमूर्तिं त्रिगुणं त्रिनेत्रं सर्वगं ॥ ॥
इति मन्त्रं स्मृत्वा विमलयेत् ॥ सर्वसिद्धिं ॥ ॥
गायत्रीं नमः ॥ ॐ भूर्भुवः स्वः ॥ १ ॥ यस्य त्र्यम्बकं यं १
गायत्र्या ॐ ह्रीं शिवः ॥ यस्य प्रसादात् सिद्धि-
र्भवेत् ॥ शं भवेत् नागात् वरदायं समागतं ॥ ॐ ह्रीं शिवः
सर्वभूतेश्वराय लयाय नमः शिवाय ॥ स्वस्ति ॥ शिवं
शंभुं कपालिनं शंभुं ॥ शिवपरमेश्वरं नमस्कुर्यात् कल्प-
सामि केशवं शिवं चन्द्रशेखरं ॥ सर्वसिद्धिं ॥ सर्व-
रूपं सर्वं त्र्यम्बकं ॥ ॥ ॥ नमः शिवाय त्रिलोक-
नाथाय ॥ सर्वज्ञाय ॥ शिवः सर्वगः ॥ सर्व-
भूतपतिं शिवं ॥ सर्वं त्रिलोकेशं ॥ सर्वं उमा-
कान्तं ॥ ॥ ॥ नमः शिवं सर्वेश्वरं भस्मनागं
सर्वं ॥ भविकल्पं विकल्पकं नमो भैरवाय नमः ॥ स-
र्वभूतं नमः ॥ ॐ ह्रीं सर्वकल्पकं नमः ॥ शंकर-
भैरवाय नमः ॥ ॐ ह्रीं सर्वकल्पकं नमः ॥ सर्व-
शिवभैरवाय नमः ॥ ॐ ह्रीं सर्वकल्पकं नमः
शिवभैरवाय नमः ॥ इति ॥ ॥ ॥ सम्पूर्णं ॥ ॥

सि॰
नि॰
९७

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] सानन्दभैरव [illegible] ॥ १ ॥ [illegible]
मन्त्रः ॥ १ ॥ ॐ ह्रीं हूं क्लीं [illegible] सानन्दभैरवाय न-
मः ॥ १ ॥ [illegible] ॥ १ ॥ ॐ [illegible] हृदये ॥ ह्रीं [illegible]
हूं [illegible] ॥ क्लीं [illegible] ॥ [illegible] सानन्दभैरवाय नमः
[illegible] नमः [illegible] ॥ [illegible] ॥
सानन्दभैरवं [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ १ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ १ ॥ ॐ ह्रीं [illegible] हूं [illegible]
[illegible] नमः ॥ १ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
सि॰ [illegible] ॥ १ ॥ [illegible]
नि॰ [illegible] ॥ [illegible]
५॰ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]